साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 16 • कठुआ, शनिवार 13 सितम्बर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

2023 में हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर के पहले दौरे में प्रधानमंत्री 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

इंफाल : मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के लगभग दो साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को राज्य का दौरा करेंगे और 8,500 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

विपक्षी दल प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर राज्य का दौरा न करने के लिए आला. `चना कर रहे हैं, जहां कुकी और मीतेई समुदायों के बीच संघर्ष में मई 2023 से अब तक 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मोदी चुराच. ांदपुर के पीस ग्राउंड से 7,300 करोड़ रुपये मूल्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जहां कुकी बहुसंख्यक हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मैतेई बहुल राज्य की राजधानी इंफाल से 1,200 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि मोदी पड़ोसी राज्य मिजोरम की अपनी आधिकारिक यात्रा के साथ मणिपुर की यात्रा भी करेंगे, लेकिन सरकार या भाजपा की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई।

हालांकि, गुरुवार शाम को सरकार ने एक बड़ा बिलबोर्ड लगा दिया, जिसमें 13 सितंबर को राज्य की राजधानी चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड और कंगला फोर्ट में प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की घोषणा की गई।

यह होर्डिंग इम्फाल के एक प्रमुख स्थान, केसम्पट जंक्शन पर लगाया गया है, जो भाजपा के राज्य मुख्यालय के भी पास है। राज्य में ऐसे और भी होर्डिंग लगाए जाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है।

इससे पहले दिन में, मणिपुर सरकार ने एक परामर्श जारी कर 13 सितंबर को पीस ग्राउंड में आयोजित एक ़वीवीआईपी कार्यक्रम़ में भाग

■ शेष पेज 2...

अगस्त में किश्तवाड़ में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण 400 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में अगस्त के दौरान भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से अधिक घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। अधिक. ारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, 52 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए, 105 गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, और 283 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा, 125 पशुशालाओं और पाँच धार्मिक ढाँचों को भी भारी नुकसान पहुँचा।

अधिकारियों ने बताया कि इस आपदा के कारण 248 पशु भी मारे गए, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका पर और अधिक प्रभाव पड़ा।

बुधवार को किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा ने द्राबशल्ला ब्लॉक में कुंतवाड़ा-ओहली रोड और राजमार्ग के किश्तवाड़-थाथरी खंड का स्थलीय निरीक्षण किया तथा चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने

■ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर की अदालत ने पहलगाम हमले के आरोपियों के पॉलीग्राफ और नार्को परीक्षण की एनआईए की याचिका खारिज की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : यहां की एक विशेष अदालत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के सिल. सिले में गिरफ्तार दो लोगों के पॉलीग्राफ टेस्ट और नार्को विश्लेषण के लिए एनआईए की याचिका को खारिज कर दिया है और कहा है कि ़वैज्ञानिक तकनीक़ आत्म-दोषसिद्धि के खिलाफ अधिकार का उल्लंघन करेगी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी, जिसने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के पांच दिन बाद मामले की जांच अपने हाथ में ली थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, ने अदालत को सूचित किया था कि आरो. पियों ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए दोनों परीक्षणों के लिए अपनी सहमति दे दी है।

हालाँकि, बशीर अहमद जोतद और परवेज अहमद, जिन्हें तलब किया गया था, ने एनआईए के दावे का खंडन किया। उन्हें 26 जून को कथित

■ शेष पेज 2...

कश्मीर के सेब उत्पादकों को राहत, रेलवे ने घाटी के फलों को जम्मू और दिल्ली ले जाने के लिए दो पार्सल वैन शुरू की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर/नई दिल्ली : कश्मीर में सेब उत्पादकों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे घाटी से जम्मू और दिल्ली तक फलों के परिवहन के लिए दो पार्सल वैन चलाएगा। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 44 या श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से कश्मीर घाटी में बागवानी क्षेत्र को नुकसान हुआ है। एक रेलवे अधिकारी ने बताया, ़भारतीय रेलवे ने सेबों के परिवहन के लिए दो वाहन पार्सल (एलवीपीएच कोच) ट्रेनें उपलब्ध कराई हैं। इन वाहन पार्सल को आज लोड किया जा रहा है और प्रत्येक वाहन 23 मीट्रिक टन सेब ले जाएगा।़

बडगाम से दिल्ली तक सेब ले जाने वाली दो पार्सल वैन की लोडिंग गुरुवार को शुरू हो गई, जबकि रेलवे शनिवार से बडगाम और दिल्ली के आदर्श नगर के बीच एक दैनिक समय-सारिणी वाली पार्सल ट्रेन शुरू कर रहा है।

हालांकि फल उत्पादकों ने इस सेवा के शुरू होने का स्वागत किया है, लेकिन उन्होंने घाटी से बड़ी मात्रा में फलों को बाहर ले जाने के लिए अधिक बोगियों की मांग की है। रेल

■ शेष पेज 2...

मेहराज मलिक के पिता अस्पताल में भर्ती, बेटे की भाषा के लिए माफी मांगी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : हिरासत में लिए गए आप विधायक मेहराज मलिक के पिता शमास उदिन मलिक को अपने बेटे की लोक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत के बाद कमजोरी और तनाव के कारण गुरुवार को यहां कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद शमास उदीन मलिक ने अपने बेटे द्वारा डिप्टी कमिश्नर के लिए इस्तेमाल की गई भाषा के लिए माफी मांगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा से आग्रह किया कि वे उनके खिलाफ कड़े पीएसए

■ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर के लोगों का कोई सशक्तिकरण नहीं : पार्टी के चुनाव पूर्व वादों पर एनसी सांसद मेहदी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सत्तारूढ़ पार्टी के लोकसभा सदस्य रूहुल्लाह मेहदी ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग शनिराशा हैं क्योंकि विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को मिले भारी जनादेश के बाद उनकी सशक्तिकरण और जवाबदेही की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि निर्वाचित जनप्रति. निधियों को उन मुद्दों के लिए संघर्ष करना चाहिए जिन पर उन्होंने वोट मांगा है।

मेहदी ने अनंतनाग जिले में संवाददाताओं से कहा, ़जिस सशक्तिकरण और जवाबदेही के लिए लोगों ने वोट दिया था, लोगों में इस बात को लेकर निराशा है कि हम उस दिशा में नहीं बढ़ रहे हैं।़

दक्षिण कश्मीर जिले के टाउन हॉल में नागरिक समाज के साथ बातचीत के दौरान श्रीनगर के सांसद ने यह बात इस सवाल के जवाब में कही कि क्या एनसी सरकार लोगों के सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने कहा, ़अभी जिस तरह की स्थिति है, उसमें लोगों का कोई सशक्तिकरण नहीं है। मेहदी ने कहा कि निर्वाचित नेताओं को उन मुद्दों के

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

2023 में हिंसा...

लेने वाले लोगों से कहा था कि वे अपने साथ ष्चाबी, कलम, पानी की बोतल, बैग, रूमाल, छाता, लाइटर, माचिस, कपड़े का टुकड़ा, कोई भी नुकीली वस्तु या हथियार और गोला–बारूद न लाएं।ष्

एक अधिसूचना में प्रधानमंत्री के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, तथा जनता को सलाह दी गई है कि वे 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और बीमार व्यक्तियों को कार्यक्रम स्थल पर लाने से बचें।

मणिपुर के एकमात्र राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा ने प्रधानमंत्री की यात्रा को लोगों और राज्य के लिए ष्बहुत सौभाग्यशालीष् बताया। भाजपा सांसद ने कहा, ष्यह सौभाग्य की बात है कि मोदी लोगों की कठिनाइयों को सुनेंगे... मणिपुर में पहले भी हिंसक झड़पों का इतिहास रहा है। हालांकि, ऐसे समय में किसी भी प्रधानमंत्री ने राज्य का दौरा नहीं किया और लोगों की बात नहीं सुनी। मोदी ऐसे कठिन समय में दौरा करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।ष्

एक वीडियो संदेश में लीशेम्बा ने सभी से मोदी का स्वागत करने और किसी भी प्रकार का बहिष्कार न करने का आग्रह किया।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले इम्फाल और चुराचांदपुर जिला मुख्यालय शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

इम्फाल में लगभग 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड में तथा इसके आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया है, जहां प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है।

केंद्रीय सुरक्षा दल, राज्य कर्मियों के साथ, कंगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं, तथा राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है।

कंगला किला 1891 में रियासत के विलय से पहले तत्कालीन मणिपुरी शासकों के लिए सत्ता की प्राचीन सीट के रूप में कार्य करता था। किला, जो तीन तरफ खाइयों और पूर्वी तरफ इम्फाल नदी से घिरा हुआ है, एक बड़े पोलो मैदान, एक छोटे से जंगल, मंदिरों के खंडहर और राज्य पुरातात्विक कार्यालयों को घेरता है।

केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम भी चुराचांदपुर पहुंच गई। पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है और पीस ग्राउंड की ओर जाने वाले मार्ग पर बांस के बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

अगस्त में किश्तवाड ...

चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की देरी या चूक के लिए कड़ी जवाबदेही तय की जाएगी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी मौसमों में सम्पर्क बहाल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों ने बताया कि कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है, 1,000 कनाल फसल भूमि तथा 1,002 कनाल बागवानी भूमि गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा और चार पुल क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा, 29 पंचायत घर और सामुदायिक सूचना केंद्र भवन भी आपदा से प्रभावित हुए।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारियों ने 210 लोगों को संवेदनशील क्षेत्रों से निकाला।

उन्होंने बताया कि उपायुक्त शर्मा के नेतृत्व में बचाव और राहत अभियान तेजी से और समय पर चलाए गए, जिससे न केवल लोगों की जान बची, बल्कि व्यापक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने से भी बचाया जा सका।

अधिकारियों ने बताया कि मूल्यांकन दल विनाश की पूरी सीमा का पता लगाने के लिए जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण कर रहे हैं।

जम्मू–कश्मीर के लोगों...

लिए संघर्ष करना चाहिए जिन पर उन्हें जनादेश मिला है। यदि वे उनके लिए काम नहीं करते हैं या उससे कम पर समझौता करते हैं, तो यह लोगों के साथ विश्वासघात है।ष्

तेजतर्रार सांसद का कई मुद्दों पर एनसी नेतृत्व के साथ टकराव चल रहा है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली के लिए संघर्ष और केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा आरक्षण नीति शामिल है।

हालांकि, प्रभावशाली शिया नेता ने कहा कि अनंतनाग की उनकी यात्रा का उनकी पार्टी से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्मुझे किसी पार्टी से कोई सरोकार नहीं है, मैं यहां न तो किसी पार्टी के पक्ष में हूं और न ही किसी पार्टी के विरोध में। मैं यहां नागरिक समाज के निमंत्रण पर बातचीत के लिए आया था। यहां कोई भी आ सकता था, चाहे वह एनसी, पीडीपी या कांग्रेस से जुड़ा हो। साथ ही, किसी को भी, भले ही वह एनसी से संबंधित हो, यहां न आने की स्वतंत्रता है।ष्

कार्यक्रम शुरू होने से पहले मेहदी ने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि उन्हें अनंतनाग जाते समय हिरासत में ले लिया गया है और कार्यक्रम स्थल को सील कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ष्इनसे मुझे कोई परेशानी नहीं है। ये प्रशासन की चालें हैं क्योंकि वह कार्यक्रम को विफल करना चाहता था, लेकिन यह हो गया।ष्

जब उन्हें याद दिलाया गया कि यह नेशनल कॉन्फ्रेंस ही थी जिसने जम्मू–कश्मीर में लोक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) लागू किया था और पिछले साल विधानसभा चुनावों के दौरान इसे हटाने के लिए वोट भी मांगे थे, तो मेहदी ने कहा कि यह कानून लकड़ी की तस्करी रोकने के लिए लागू किया गया था, लेकिन तब से इसका ष्दुरुपयोगष् हो रहा है।

उन्होंने कहा, ष्इसे लकड़ी की तस्करी रोकने के लिए लाया गया था। तब से इसका दुरुपयोग हो रहा है।ष्

एनसी नेता ने बताया कि उनकी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि राज्य का दर्जा बहाल होने पर वह पीएसए हटा लेगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, क्योंकि कानून और व्यवस्था केंद्र शासित प्रदेश की निर्वाचित सरकार के हाथ में नहीं है।

उन्होंने कहा, ष्इसीलिए मैं कहता रहता हूं कि हमें दर्जा बहाल करने के लिए लड़ना चाहिए, ताकि जब यह हासिल हो जाए तो हम कानूनों में बदलाव ला सकें। लेकिन हम उस लड़ाई को भूल गए हैं, हम वह लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। तो फिर हम उन अधिकारों को कब हासिल करेंगे? हमें इसके लिए वोट मिले थे।ष्

केंद्र ने 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के उन प्रावधानों को निरस्त कर दिया था जो जम्मू–कश्मीर को विशेष अधिकार प्रदान करते थे और तत्कालीन राज्य को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था।

कश्मीर के सेब उत्पादकों ...

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जम्मू–श्रीनगर रेलवे लाइन के चालू होने के साथ ही शनिवार से कश्मीर के बडगाम स्टेशन से दिल्ली के आदर्श नगर तक रोजाना सेब पहुंचाने के लिए एक पार्सल ट्रेन शुरू की जाएगी। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, ष्कश्मीर के सेब उत्पादकों को सशक्त बनाना। जम्मू–श्रीनगर लाइन चालू होने से कश्मीर घाटी में बेहतर कनेक्टिविटी है। रेलवे 13 सितंबर, 2025 से कश्मीर घाटी के बडगाम से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन तक एक दैनिक समय–सारिणी वाली पार्सल ट्रेन शुरू कर रहा है।ष्

उन्होंने बताया कि गुरुवार को बडगाम से दिल्ली सेब ले जा रहे दो पार्सल वैन लोड किए गए। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पार्सल वैन शुरू करने के लिए केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया है। सिन्हा ने कहा कि इस कदम से सेब उत्पादकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्बडगाम से नई दिल्ली के लिए दैनिक पार्सल–ट्रेन सेब उत्पादकों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता है।ष्

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने भी रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, ष्मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है, क्योंकि ट्रेन से पार्सल अब कश्मीर पहुँच चुके हैं। बागवानी विभाग फल उत्पादकों के साथ परिवहन का समन्वय कर रहा है। बाद में अब्दुल्ला ने कहा कि उनके सचिवालय और रेल मंत्रालय के अधिकारियों के बीच लगभग एक सप्ताह के घनिष्ठ समन्वय के बाद यह सेवा उपलब्ध हो सकी।

अब्दुल्ला ने अपने निजी एक्स हैंडल पर कहा, ष्रेल मंत्रालय के अधिकारियों और मेरे सचिवालय के अधिकारियों के बीच जम्मू–कश्मीर कृषि उत्पादन विभाग से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर, इस मुकाम तक पहुंचने में लगभग एक सप्ताह का समय लगा, जहां हमारे फलों को अब ट्रेन द्वारा भेजा जा रहा है।ष्

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग ष्हमें लगातार परेशान कर रहा है, लेकिन यह उन उत्पादकों के लिए बड़ी राहत का स्रोत बन गया है, जिनकी उपज बाजार तक न पहुंच पाने के कारण सड़ने का खतरा था। अब्दुल्ला ने कहा, ष्इस काम को शुरू करने के लिए मेरे कॉल और अंतहीन संदेशों का जवाब देने के लिए मैं /ौपिदपटपीदैू ई को धन्यवाद देता हूं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बडगाम स्टेशन से दो पार्सल वैन रवाना होंगी – एक दिल्ली के लिए और दूसरी जम्मू के लिए, दोनों ही वैन में मौसम के बेहतरीन कश्मीरी सेब भरे होंगे।

उन्होंने बताया कि शनिवार से आठ वाहनों वाली पार्सल ट्रेन सुबह 6रू15 बजे बडगाम रेलवे स्टेशन (बीडीजीएम) से चलेगी और अगले दिन सुबह 5 बजे आदर्श नगर रेलवे स्टेशन (एएनडीआइ) पहुंचेगी, जो सुबह–सुबह दिल्ली के बाजार में सेब पहुंचाने के लिए बहुत उपयुक्त समय है। एक अधिकारी ने कहा, ष्यह कश्मीर के लॉजिस्टिक्स में एक परिवर्तनकारी युग के आगमन का प्रतीक है, जो घाटी के प्रसिद्ध बाग. वानी उत्पादों को राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने के लिए एक तेज और अधिक विश्वसनीय मार्ग प्रदान करता है।ष्

अधिकारी ने कहा, ष्कमजोर सड़क मार्गों पर निर्भरता को कम करके, ये सीधी रेल सेवाएं क्षेत्र में वाणिज्य के लिए एक साहसिक नया अध्याय जोड़ती हैं – बागवानी क्षेत्र को बल प्रदान करती हैं और समग्र रूप से कश्मीर की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करती हैं।ष्

भूस्खलन के कारण जम्मू–श्रीनगर राजमार्ग बंद रहने से सेब ले जा रहे ट्रक फंस गए, जिससे केंद्र शासित प्रदेश के किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

केंद्र शासित प्रदेश सरकार ने सेब उत्पादकों की मदद के लिए रेल मंत्री से पार्सल ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया था।

सेवा की शुरुआत का स्वागत करते हुए कश्मीर के फल उत्पादकों ने घाटी से बड़ी मात्रा में फलों के परिवहन के लिए अधिक बोगियों की मांग की है। बशीर अहमद बशीर ने पीटीआई–भाषा से कहा, ष्यह कदम स्वागत योग्य है। हम इसके लिए सरकार और रेलवे अधिकारियों को बधाई देते हैं। लेकिन, दो बोगियां पर्याप्त नहीं हैं। वे कह रहे हैं कि जल्द ही आठ बोगियां शुरू की जाएंगी। लेकिन, वह भी पर्याप्त नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी से केन्द्र शासित प्रदेश के बाहर के बाजारों तक भारी मात्रा में फलों के परिवहन की भारी मांग को पूरा करने के लिए और अधिक बोगी जोड़े जाने चाहिए।

अधिकारियों ने कहा कि यदि मांग प्राप्त होती है तो भारतीय रेलवे अतिरिक्त वाहन पार्सल उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक और जम्मू संभाग के संभागीय रेलवे प्रबंधक राज्य के अधिकारियों, बागवानी विभाग, फल उत्पादक संघों और व्यापारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

मेहराज मलिक के..

के तहत आरोपों को रद्द करके उनकी रिहाई की सुविधा प्रदान करें।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने शमास उद्दीन मलिक को मेडिकल चेकअप के लिए ले जाया, जब वे अपने बेटे की हिरासत के बाद तनाव से उपजी कमजोरी के कारण गांधीनगर स्थित अपने आवास पर बेहोश हो गए। संक्षिप्त मेडिकल जांच के बाद, उन्होंने आप के एक कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित किया।

परिवार के एक सदस्य अयान मलिक ने कहा, ष्लंबी यात्रा के कारण वह बहुत थक गए थे। वह तनाव में थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। जब वह बेहोश हो गए तो हम उन्हें अस्पताल ले गए।ष्

यहां पत्रकारों से बात करते हुए शमास उदीन मलिक ने कहा, ष्मैं आप सभी से माफी मांगता हूं। उसने (मेहराज मलिक) जो कुछ भी किया है, मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। अगर उसका किसी पार्टी से कोई संबंध है, तो मैं उसके लिए भी माफी मांगता हूं। मैं आपसे अपने बेटे को रिहा करने का अनुरोध करता हूं।ष्

अपने बेटे के खिलाफ पीएसए के आरोपों को वापस लेने की मांग करते हुए उन्होंने कहा, ष्यहां एलजी साहब के अधीन सरकार और दिल्ली में भी, वे मेरे बेटे को वापस कर सकते हैं। मुझे और कुछ नहीं चाहिए, मैं केवल अपने बेटे को वापस चाहता हूं, रिहा करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक अपने बेटे से बात नहीं की है, लेकिन अगर उनकी भाषा से किसी को ठेस पहुंची है तो वे इसके लिए माफी मांगते हैं।

उन्होंने डिप्टी कमिश्नर और उनके परिवार के खिलाफ अपने बेटे की कथित अपमानजनक टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, उन्होंने जो शब्द इस्तेमाल किए हैं, मैं उनके लिए माफी मांगता हूं। एलजी से संपर्क करने के अपने प्रयासों पर ज़ोर देते हुए शमास उदीन मलिक ने कहा, ष्मैं एलजी साहब से भी मिलने गया था, लेकिन उन्होंने मुझे उनसे मिलने नहीं दिया। हालाँकि, मैं सीएम साहब से मिला। मुझे पूरा भरोसा है कि एलजी साहब और मोदी साहब हमारे साथ न्याय ज़रूर करेंगे और उन्हें वापस लाएंगे।ष्

उन्होंने कहा, ष्हम प्रधानमंत्री और उपराज्यपाल से विनम्रतापूर्वक आग्रह करते हैं कि उन्हें रिहा किया जाए और हमारे परिवार को फिर से मिलाया जाए।ष्

शमास उदीन मलिक ने कहा कि उनका बेटा गरीबों की आवाज है, वह न तो चोर है और न ही गुंडा, जैसा कि कुछ लोग उसे बताते हैं।

उन्होंने कहा, ष्अगर वे कहते हैं कि उसे काम नहीं करना चाहिए, तो हम उसे काम नहीं करने देंगे, लेकिन कृपया उसे वापस ले आइए। मैं उसकी रिहाई के लिए दर–दर भटक रहा हूँ। मैं चार दिनों से बीमार हूँ, फिर भी मैं हर जगह जाकर अपने बेटे की रिहाई की माँग कर रहा हूँ। मुझे अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा था।ष्

विधायक के पिता ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को डिप्टी कमिश्नर के पास भेजा था ताकि वह माफी मांग सके, लेकिन उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

जम्मू–कश्मीर की अदालत...

तौर पर आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने अपने छह पृष्ठ के आदेश में कहा, ष्आज दोना. आरोपियों को पेश किया गया... दोनों आरोपियों ने खुली अदालत में कहा है कि वे पॉलीग्राफ या नार्को विश्लेषण परीक्षण कराने के इच्छुक नहीं हैं। 29 अगस्त के आदेश के अनुसार, जिसका विवरण अब सामने आया है, एनआईए के मुख्य जांच अधिकारी ने अदालत से दोनों का पॉलीग्राफ टेस्ट और नार्को विश्लेषण कराने की अनुमति मांगी है।

उप–कानूनी सहायता बचाव पक्ष के वकील ने एनआईए के इस दावे का भी खंडन किया कि जोतद और अहमद ने स्वेच्छा से परीक्षणों के लिए सहमति दी थी। उन्होंने एनआईए की याचिका को खारिज करने की मांग की क्योंकि ष्कैदियों की हिरासत में मौजूद आरोपियों से एजेंसी द्वारा कोई स्वैच्छिक सहमति बयान नहीं लिया गया था।ष्

अदालत ने एनआईए की याचिका खारिज करते हुए कहा, .. नार्को–विश्लेषण, पॉलीग्राफ जांच जैसी वैज्ञानिक तकनीकों का अनैच्छिक प्रशासन संविधान में उल्लिखित ष्आत्म–दोष के खिलाफ अधिकारष् का उल्लंघन होगा।

अशोक कौल, विजय शर्मा ने हीरानगर में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया, जन कल्याण के प्रति समर्पण का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर : जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने स्थानीय विधायक एडवोकेट विजय कुमार शर्मा की उपस्थिति में हीरानगर विधानसभा क्षेत्र के कार्यालय का उद्घाटन किया।

उद्घाटन वैदिक मंत्रों के उच्चारण और पारंपरिक हवन/यज्ञ के साथ किया गया, जिससे इस अवसर को आध्यात्मिक पवित्रता प्राप्त हुई।

बाद में, एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें हीरानगर, कूटा और मढीन मंडलों के मंडल अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र प्रमुखों, बूथ प्रभारियों और वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने भाग लिया। बैठक में डीडीसी करण अत्री और अभिनंदन शर्मा, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाधा, प्रदीप सिंह, सोम राज सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए, अशोक कौल ने आगामी पार्टी कार्यक्रमों पर ज़ोर दिया और जमीनी स्तर पर भाजपा संगठन को और मज़बूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ़ संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए ईमानदारी से काम करना भी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से समाज सेवा को प्राथमिकता देने और सेवा व अनुशासन की भावना से जनकल्याण के लिए समर्पित होने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 9 सितंबर को एक चिकित्सा शिविर आयोजित करने और चल रहे स्वच्छता अभियान पर विशेष ज़ोर देने का भी आह्वान किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा को देखते हुए, प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करना पार्टी कार्यकर्ताओं की ज़िम्मेदारी है।

एडवोकेट विजय कुमार शर्मा ने नए विधानसभा क्षेत्र कार्यालय के उद्घाटन पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी और इसे संगठन और आम जनता के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय समन्वय का केंद्र और एक ऐसा मंच होगा जहाँ जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया और उनका समाधान किया जा सकेगा।

उन्होंने हीरानगर की जनता को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा उनके विकास और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भेद माता गौशाला समाजसेवी राकेश चौधरी की टीम ने पंजाब बाढ़ प्रभावितों को पहुंचाई मदद

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन : भेद माता गौशाला से जुड़े समाजसेवी राकेश चौधरी और उनकी टीम हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए जानी जाती है। हाल ही में देशभर में आई बाढ़ से जम्मू–कश्मीर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में भारी नुकसान हुआ। इस संकट की घड़ी में राक.`श चौधरी की टीम ने 9 और 10 सितम्बर को पंजाब के कोलियां गांव में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए पानी, चाय और भोजन का लंगर आयोजित किया।

टीम में कैप्टन गुरमीत चहल, कैप्टन सोम राज, कैप्टन जगदीश शर्मा, कैप्टन गिरधारी लाल, राम दास और देव राज ने सक्रिय योगदान दिया। इसके अलावा छंवाचक के देगतर गांव में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन वितरित कर राहत पहुंचाई गई।

राकेश चौधरी ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, समाज की सेवा के लिए उनकी टीम हमेशा तैयार है और हर मुश्किल घड़ी में लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती, उसके बाद पाकिस्तान का छद्म युद्ध : सीडीएस

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ अनसुलझा सीमा विवाद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके बाद पाकिस्तान का छद्म युद्ध और भारत को हजारों घाव देकर खून बहाने की उसकी रणनीति है।

शीर्ष सैन्य अधिकारी ने क्षेत्रीय अस्थिरता और भारत पर इसके प्रभाव, तथा तेजी से चुनौतीपूर्ण होते वातावरण में उच्च प्रौद्योगिकी घटकों के साथ भविष्य के युद्ध परिदृश्यों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों को तीसरी और चौथी प्रमुख चुनौतियों के रूप में पहचाना।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) ने कहा कि परमाणु हथियारों से लैस दो शत्रुओं से उत्पन्न खतरों से निपटना भारत के सामने एक और बड़ी चुनौती है, क्योंकि उसे किसी भी तरह के पारंपरिक युद्ध के लिए तैयार रहना होगा।

जनरल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बलों को ऑपरेशन सिंदूर चलाने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई थी और इसका उद्देश्य न केवल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेना था, बल्कि सीमा पार आतंकवाद पर एक ष्लक्ष्मण रेखाष खींचना भी था।

अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में, सीडीएस ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) ने सेना को मार्गदर्शन प्रदान करने के मामले में ऑपरेशन सिंदूर की योजना बनाने और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें लक्ष्य चयन, सैनिकों की तैनाती, डी–एस्केलेशन के लिए रूपरेखा और कूटनीति का उपयोग शामिल था।

हालाँकि, उनके संबोधन का मुख्य आकर्षण भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का विस्तृत विवरण था।

जनरल चौहान ने कहा, ष्मैं चीन के साथ अनसुलझे सीमा विवाद को सबसे बड़ी चुनौती मानता हूं। दूसरी बड़ी चुनौती पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ चलाया जा रहा छद्म युद्ध है।ष

ष्पाकिस्तान की रणनीति रही है कि ष्भारत को हज़ार ज़ख्म देकर लहूलुहान करोष। इसका मतलब है कि भारत को नियमित अंतराल पर धीरे–धीरे चोट पहुँचाते रहो और देश में खून का बहाव जारी रखो।ष

सैन्य अधिकारी ने कहा कि तीसरी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती क्षेत्रीय अस्थिरता से उत्पन्न हो रही है, विशेषकर जिस तरह से भारत के पड़ोसी देश सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति का असर भारत पर भी पड़ता है।

उन्होंने कहा, ष्चौथी चुनौती यह होगी कि भविष्य में किस प्रकार का युद्ध होगा। युद्ध तेजी से बदल रहे हैं। भविष्य के युद्ध केवल भूमि, वायु और जल तक ही सीमित नहीं होंगे। इसमें अंतरिक्ष, साइबर और विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र भी शामिल होंगे।

हमारे लिए ऐसे परिदृश्य के लिए समायोजन करना और स्वयं को तैयार रखना एक चुनौती होगी।

पांचवीं चुनौती पर, सीडीएस ने कहा, ष्हमारे दोनों विरोधी परमाणु शस्त्रागार से लैस हैं और यह हमारे लिए एक चुनौती बनी रहेगी कि हम किस तरह का पारंपरिक युद्ध लड़ेंगे और उनसे निपटने के लिए हम किस तरह का ऑपरेशन चुनेंगे।ष

जनरल चौहान ने कहा कि छठी चुनौती भविष्य के युद्ध पर ष्प्रौद्योगिकी और उसके प्रभावष से संबंधित है।

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कुछ जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सेना को लक्ष्य की योजना बनाने और चयन सहित पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता थी।

उन्होंने कहा, ष्इसका उद्देश्य न केवल (पहलगाम) आतंकवादी हमले का बदला लेना था, बल्कि हमारे धैर्य की सीमा भी तय करना था।ष

सीडीएस ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की महत्वपूर्ण भूमिका है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह स्पष्ट हो गया।

उन्होंने कहा, ष्यह ऑपरेशन में देखा गया। एनएसए ने मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसमें लक्ष्य चयन, आकार और समय के संदर्भ में सैनिकों की तैनाती – इसे गैर–एस्केलेटरी तरीके से कैसे किया जाए, डी–एस्केलेशन के लिए रूपरेखा और कूटनीति का उपयोग शामिल था।ष

जनरल चौहान ने कहा कि 7 से 10 मई के ऑपरेशन के दौरान तीनों सेनाओं की तालमेल पूरी तरह प्रदर्शित हुई।

इस संदर्भ में उन्होंने तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए पिछले कुछ वर्षों के प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, हमने सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच संचार प्रणालियों में तालमेल बिठाने की कोशिश की, हमने अपनी वायु रक्षा प्रणालियों और ड्रोन रोधी उपकरणों में तालमेल बिठाने की कोशिश की।

जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर को एक ष्बहु–क्षेत्रीय ऑपरेशनष बताया, जिसमें सेना के विभिन्न अंगों के बीच समन्वय शामिल था।

उन्होंने कहा कि संयुक्त लामबंदी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू था।

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू–राजनीतिक उथल–पुथल के संदर्भ में, उन्होंने विभिन्न उभरते खतरों और चुनौतियों पर गहनता से विचार किया और कहा कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है।

भाजपा नेतृत्व ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क तेज किया, त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू–कश्मीर के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सत शर्मा (सीए) ने आज रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के राजपुरा में बाढ़ प्रभावित पंचायतों का व्यापक दौरा किया और संकट की इस घड़ी में लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहने के भाजपा के संकल्प की पुष्टि की।

स्थानीय निवासियों की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनते हुए शर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि राहत उपायों में तेजी लाई जाए तथा दीर्घकालिक समाधान बिना किसी देरी के लागू किए जाएं।

टीम ने बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र की पंचायत त्रेवा, नगर पालिका क्षेत्र अरनिया, चकदा, इंदिरा नगर और पंचायत खारियाँ का भी दौरा किया। हर पड़ाव पर, नेतृत्व ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की वास्तविक चिंताओं का प्रशासन द्वारा तत्परता से समाधान किया जाएगा और आवश्यक राहत प्रदान की जाएगी। जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव बलदेव सिंह बिलोरिया, विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, विधायक डॉ. राजीव भगत, सचिव अरुण शर्मा, जिला अध्यक्ष आशा रानी, जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी, डीडीसी सदस्य शिल्पा दुबे और अनीता, पूर्व बीडीसी अध्यक्ष राधे शाम और सरपंच बलबीर कौर भी इस यात्रा में शामिल हुए। सभाओं को संबोधित करते हुए, सत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने आपदाओं का त्वरित जवाब देकर और आम आदमी के कल्याण को प्राथमिकता देकर जन–केंद्रित शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा कार्यकर्ता और नेतृत्व ज़मीनी स्तर पर अथक परिश्रम कर रहे हैं ताकि जल्द से जल्द पर्याप्त राहत, पुनर्वास और मुआवज़ा उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रही कठिनाइयों से पूरी तरह वाकिफ है और हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा का स्थानीय नेतृत्व शुरू से ही राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है और जब तक सभी प्रभावित लोगों की ज़रूरतें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक आराम नहीं करेगा। डॉ. देविंदर कुमार मन्याल ने कहा कि भाजपा हमेशा संकट के समय लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहने में विश्वास रखती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि फसलों, घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को हुए नुकसान के संबंध में ग्रामीणों द्वारा उठाई गई चिंताओं को उचित मंचों पर उठाया जाएगा ताकि उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. राजीव भगत ने भी लोगों से बातचीत की और लगातार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने दोहराया कि भाजपा नेतृत्व पूरी तरह से सामान्य स्थिति बहाल होने तक स्थिति पर कड़ी नज़र रखेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

दूरदराज के इलाकों में समावेशी विकास लद्दाख प्रशासन की प्राथमिकता : एलजी कविंदर

सबका जम्मू कश्मीर

लेह : केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान देते हुए, लद्दाख के सबसे दूरस्थ गाँवों तक भी विकास पहुँचाने का संकल्प लिया है। स्कूलों को मज़बूत बनाकर, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाकर और दूर–दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की रोज़मर्रा की चुनौतियों का समाधान करके, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास सिर्फ़ कस्बों तक ही सीमित न रहे, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक पहुँचे।

यह बात लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविन्द्र गुप्ता ने आज हेम्या स्थित डाक बंगले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस जनसभा में हेम्या, तारचित, तिरी, लिक्टसे, तुकला, स्किडमंग, कैरी, चुमाथांग और क्यूंग्याम नामक नौ गाँवों के लोगों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को उठाया। जनता दरबार में लेह के डीसी रोमिल सिंह डोंक, लेह की एसएसपी श्रुति अरोड़ा, तहसीलदार न्योमा, क्यूंग्याम के पार्षद थिनलेस नूरबू, न्योमा के पार्षद इशे स्पालज़ांग और जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसभा को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने जमीनी स्तर के विकास में नागरिकों को सक्रिय भागीदार बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ष्जब लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हैं और अपनी चिंताओं को आवाज़ देते हैं, तो इससे जवाबदे. ही सुनिश्चित होती है, लोकतंत्र मज़बूत होता है और प्रशासन को स्थानीय आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाली विकास योजनाएँ बनाने में मदद मिलती है। लद्दाख के लोगों, खासकर दूर–दराज के इलाकों के लोगों, द्वारा साहस और जागरूकता के साथ अपनी चिंताओं को उठाने के लिए उनकी सराहना करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि एक न्यायपूर्ण समाज और उत्तरदायी शासन के निर्माण के लिए ऐसी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लद्दाख के भविष्य को आकार देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन को तीन प्रमुख स्तंभों के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ष्शिक्षा आर्थिक विकास के लिए आवश्यक कौशल और नवाचार प्रदान करती है, स्वास्थ्य सेवा एक स्वस्थ और उत्पादक समाज सुनिश्चित करती है, और पर्यटन लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देते हुए आजी. विका का सृजन करता है।

उपराज्यपाल ने शिक्षा तक पहुँच में अंतर को पाटने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया और बताया कि किसी संस्थान तक 100 किलोमीटर की दूरी अक्सर एक बाधा बन जाती है, खासकर ग्रामीण और संसाधन–विहीन परिवारों के छात्रों के लिए। उन्होंने आश्वासन दिया, ष्प्रशासन इन बाधाओं को कम करने के लिए काम कर रहा है ताकि छात्र, खासकर लड़कियाँ, लंबी यात्रा, सुरक्षा चिंताओं या आर्थिक तंगी के कारण पीछे न रहें।ष्

इस बात पर जोर देते हुए कि समावेशी विकास हर गांव तक पहुं. चना चाहिए, उपराज्यपाल ने कहा कि नागरिक भागीदारी, प्रमुख क्षेत्रों में सरकारी पहलों के साथ मिलकर, पूरे केंद्र शासित प्रदेश में समान विकास सुनिश्चित करेगी। इस बीच, उपराज्यपाल ने चुमाथांग हॉट स्प्रिंग्स का दौरा किया, जो अपने चिकित्सीय खनिज युक्त पानी के लिए प्रसिद्ध है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें औषधीय गुण हैं, विशेष रूप से त्वचा रोगा. ें और जोड़ों के दर्द के लिए।

एलजी ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए मोदी और सीतारमण का आभार व्यक्त किया

यह जम्मू-कश्मीर के लिए पहली बार है और केंद्र शासित प्रदेश में आयुर्वेद पद्धति अपनाने के इच्छुक लोगों के लिए एक बड़ा उपहार है : सिन्हा

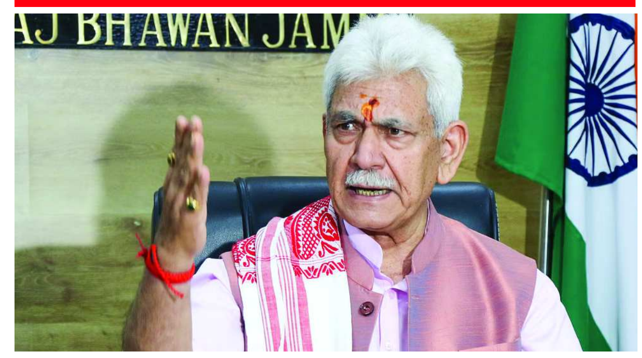

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया।

एक्स पर एक पोस्ट में लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा : ष्अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का हार्दिक धन्यवाद। इससे एमएसएमई और किसान सशक्त होंगे और विनिर्माण में तेज़ी आएगी। इससे जीवन और व्यापार में आसानी बढ़ेगी और साथ ही हमारी सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को और मज़बूती मिलेगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सरकारी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, अखनूर के लिए 35 आयुर्वेद पीजी सीटें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

एक्स पर एक पोस्ट में लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा : सरकारी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, अखनूर के लिए 35 आयुर्वेद पीजी सीटें स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव जी का हार्दिक आभार। यह जम्मू–कश्मीर के लिए पहली बार है और केंद्र शासित प्रदेश में आयुर्वेद पद्धति अपनाने के इच्छुक लोगों के लिए एक बड़ा उपहार है।ष्

आयुर्वेद, पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली ने वैश्विक लोकप्रियता हासिल कर ली है और दुनिया भर में लोग अपनी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं, शरीर, मन और आत्मा के कल्याण और विभिन्न रोगों के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद तकनीकों को अपना रहे हैं।

जीएएमसी अखनूर में 35 सीटों वाले 7 नए पीजी डिग्री प्रोग्राम जम्मू–कश्मीर के स्वास्थ्य ढांचे को और मज़बूत करेंगे और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाएंगे।

कुंजवानी-सिधरा मार्ग पर टाटा मैजिक मैक्सी कैब चुनाव में अश्विनी सिंह जोनी चिब को मामूली अंतर से जीत मिली

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : परिवहन कर्मचारियों के बीच ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र की जीवंतता को रेखांकित करने वाले एक कड़े चुनावी मुकाबले में, अश्विनी सिंह जोनी चिब कुंजवानी–सिधरा वाया नरवाल मार्ग के लिए टाटा मैजिक मैक्सी कैब एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अशोक सिंह काला को 11 वोटों के मामूली अंतर से हराकर यह पद जीता। इस चुनाव में ऑपरेटर समुदाय के 81 पंजीकृत मतदाता शामिल थे। चिब को 46 वोट मिले, जबकि काला ने कड़ी चुनौती पेश की, जो पूरे मार्ग पर विभाजित लेकिन उत्साही समर्थन आधार को दर्शाता है।

ऑल जम्मू एंड कश्मीर ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन (।श्रज्ञॅ।) के बैनर तले हुए चुनाव अनुशासित और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए, जिसमें ड्राइवरों, रूट ऑपरेटरों और हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रही। कुंजवानी–सिधरा कॉरिडोर के महत्व को देखते हुए, जो नरवाल के रास्ते जम्मू शहर के प्रमुख स्थानों को जोड़ता है और टाटा मैजिक ऑपरेटरों के लिए सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है, इस परिणाम ने ड्राइव. रों के कल्याण और दैनिक प्रतिनिधित्व के लिए उल्लेखनीय महत्व रखा।

अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। मतदान प्रक्रिया ।श्रज्ञॅ। नेताओं की प्रत्यक्ष देखरेख में संपन्न हुई, जिसमें अध्यक्ष करण सिंह वज़ीर, अध्यक्ष विजय सिंह चिब और कार्यकारी अध्यक्ष भारत भूषण ने हर चरण की निगरानी की। सचिव संजीव चौधरी ने रसद व्यवस्था के समन्वय, चुनाव नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और मतदान के दौरान उठाई गई प्रक्रिया संबंधी चिंताओं के समाधान में केंद्रीय भूमिका निभाई। राज कुमार चौधरी, जगतार सिंह, नदीम चौधरी और विजय डोगरा जैसे प्रमुख वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति ने प्रक्रिया को विश्वसनीयता प्रदान की और मतदाताओं के बीच विश्वास को मज़बूत किया।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी और कानून–व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पूरे दिन पुलिस तैनात रही। मतदाताओं के अनुशासित व्यवहार और उम्मीदवारों द्वारा प्रदर्शित सहयोगात्मक भावना के कारण चुनाव बिना किसी घटना के संपन्न हो सका। प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों, दोनों ने मतदान के पेशेवर संचालन की सराहना की और इसे परिवहन क्षेत्र में लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक उदाहरण बताया।

अपनी जीत के बाद, अश्विनी सिंह जोनी चिब ने उन ड्राइवरों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने की ज़िम्मेदारी सौंपी। अपने संबोधन में, उन्होंने ।श्रज्ञॅ। नेतृत्व, चुनाव आयोजकों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सुचारू और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। चिब ने ड्राइवरों के कल्याण के लिए काम करने का संकल्प लिया और सामूहिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एसोसिएशन के भीतर एकता के महत्व पर ज़ोर दिया।

जीत का यह मामूली अंतर चुनाव की प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति को रेखांकित करता है और दोनों खेमों की मज़बूती को दर्शाता है। एसोसिएशन के विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के कड़े मुकाबले न केवल परिवहन कर्मचारी समुदाय की लोकतांत्रिक भावना की पुष्टि करते हैं, बल्कि नेतृत्व को भी उत्तरदायी और जवाबदेह बने रहने के लिए प्रेरित करते हैं। जम्मू में दैनिक परिवहन की रीढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र के लिए, ये संगठनात्मक चुनाव ऑपरेटरों के लिए नियामक मुद्दों, कल्याणकारी उपायों और मार्ग प्रबंधन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नतीजों के बाद, इस बात से राहत और संतुष्टि का भाव साफ़ दिखाई दिया कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

कुंजवानी–सिधरा चुनाव को अब परिवहन जगत में एक आदर्श प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा हैकृयह एक उदाहरण है कि कैसे ज़मीनी स्तर के संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आचरण कर सकते हैं और साथ ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि प्रतिनिधित्व बहुमत की इच्छा को प्रतिबिंबित करे।

सड़क अवसंरचना को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए महानिदेशक बीआरओ ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने क्षेत्र में सड़क बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू में विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

बीआरओ प्रमुख वर्तमान में भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं, जिससे दर्जनों सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें कश्मीर के साथ सबसे महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग – राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल है।

बीआरओ के एक प्रवक्ता ने कहा, ष्लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने बुधवार को परियोजना संपर्क के तहत बारिश और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया, ताकि सड़क बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन किया जा सके और इसकी शीघ्र बहाली के उपायों की समीक्षा की जा सके।

उन्होंने बीआरओ के जमीनी कार्यबल और कमांडिंग अधिकारियों को बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़क बुनियादी ढांचे के जीर्णोद्धार कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि सतही संपर्क को शीघ्र बहाल किया जा सके।

जम्मू क्षेत्र में नौ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई है तथा सैकड़ों आवासीय मकानों और अन्य संरचनाओं के अलावा क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क और कृषि संबंधी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

पाठशाला की घंटी

सलीम आज़म

मेरे घर से तक़रीबन दो सौ मीटर पर मेरा स्कूल था। सुबह की घंटी जब सतपाल चपरासी बजाता था, तो मैं स्कूल के लिए तैयार होने लगता था। घंटी की आवाज़ पूरे गाँव में गूंजती थी। शुरू में काफ़ी धीरेदृधीरे बजाई जाती थी। तब स्कूल का समय, सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक, होता था।

पहली घंटी सुबह 9रू30 बजे शुरू होती थी। ष्टन..टन..टनष् आवाज़ ही रहती थी। सतपाल वैसे भी बहुत ही इमानदार एवं मेहनती का एक अच्छा आदमी था। जो हेडमास्टर साहब का आदेश होता था, वैसा ही करने को तत्पर रहता था। 9रू30 से 9रू40 तक लगातार 10 मिनट तक ष्टन...टन...टनष् की घंटी की आवाज़ पूरे वातावरण को झंकृत देते रहती थी। उन दिनों कांसे या पीतल की गोल घंटी होती थी। जो स्कूल के बरामदे में टंगी होती थी। लकड़ी का हैंडल होता था, जिससे जोरदृजोर से घंटा बजाया जाता था।

जैसे प्रतीत होता था कि अब सभी छात्रों को पुकार रही होदृ ष्आओ...आओ...आओष्। घंटी की आवाज़ मेरे लिए अज़ान की आवाज़ की तरह थी। पढ़ने में काफ़ी होशियार तो था, लेकिन मास्टरों की मार बरसात के मौसम की तरह होती थी कि न जाने कब बारिश आ जाए और दोदृचार चोट पड़ जाएं।

अतः घंटी की आवाज़ मेरे लिए खुशी का पैगाम भी होती थी। मैं इस मायने में तो समझता था कि घंटी मुझे अच्छा नहीं लगती थी। लेकिन स्कूल तो जाना ही था। पहली घंटी के दौरान मैं वर्दी डाल कर स्कूल का थैला कंधे पर टांग कर सरपट स्कूल की तरफ़ दौड़ पड़ता था।

9रू55 पर दूसरी घंटी बजती थी, सिर्फ आधे मिनट के लिए, परंतु गति एकदम सुप्र फास्ट। ष्टन..टन...टनष्। इसका मतलब यह था कि जल्दी, पाठशाला के मैदान की तरफ़, जहाँ सुबह की प्रार्थना होती थी। कक्षा छठी से दसवीं तक मेरी ड्यूटी होती थी प्रार्थना बोलने कीदृ ष्भारत हमारा देश है, हम सब भारतीय हैं...ष्।

एकदम फ़टाफ़ट बोलता था। पीछे से सारा स्कूल सावधान मुद्रा में हाथ आगे कर, दोहराता था। फिर शुरु हो जाता था कक्षाओं का सिलसिला। पिछले कल का पाठ, हर गुरु जी पहले सुनाते थे। जिनका याद नहीं होता था, उनकी पिटाई की जाती थी। कईयों को ष्मुर्गाष् बनाया जाता था।

हालांकि मेरी पिटाई पढ़ाई के लिए नहीं होती थी। परंतु पिटाई करना गुरु जी का जन्मसिद्ध अधिकार होता था। कुछ गुरु जी अच्छे भी होते थे, जो पिटाई नहीं करते थे।

थे। लेकिन मैथ के टीचर तो पिटाई के लिए मशहूर थे। वो बाहर के जिले से थे और काफ़ी सालों से इसी स्कूल में थे। ऊपर से शादी भी मेरे ही गाँव की लड़की से कर ली थी। अतः स्थानांतरण का सवाल ही पैदा नहीं होता था। मेरे मम्मीदृपापा को जब कभी गुरु जी दिखाई दे जाते थे तो अकसर कहते थेदृ ष्लड़के का ख्याल रखना।ष् और दूसरे दिन गुरु जी, लाठी के साथ मेरा भरपूर ख्याल रखते थे। घर पर जो मार पड़ती थी, वो अलग। वही मार पिटाई आज तक हमारी सेहत का राज है।

पूरा दिन क्लास चलतादृलगाता, अन्तिम यानी नौवीं पीरियड आ जाता था। अब तक हम सब सहपाठी पूरे दिन की उबाऊ क्लासों से एवं गुरुजनों की सख़्त सज़ा से बेहाल हो चुके होते थे। अब घंटी नहीं होती थी। सतपाल जब घंटी की तरफ जाता था तो लगता था कि क्लास ख़त्म करने वाली दूसरी घंटी लग जाती है। लेकिन छुट्टी वाला घंटा हमेशा इत्तफ़ाक़न, हर छात्र एवं अध्यापक को राहत एवं चैन देने का काम करता था।

जब छूटने की एक मिनट पहले धीरेदृधीरे सतपाल के हाथ की घंटी, जो दूर कोने में टकटक होती थी, की तरफ सबका ध्यान पड़ता। तब सतपाल चपरासी को देखकर ऐसा लगता था कि कोई देवता धरती पर अवतरित हो गया हो और हमारे कष्टों का निवारण करने वाला हो। अन्तिम क्लास के सब सहपाठियों की नज़र घंटी की तरफ जाते हुए सतपाल की तरफ ही रहती थी। और जैसे हमारे सब तैयार होते ही, जैसे ही भारी हुई नक्कड़, हमने कोटे तैयार और तभी टन टन टन लगातार घंटी बजने शुरु होती थी, और हम सब स्कूल के बड़े दरवाजे से बाहर होते थे और खेलों के मैदान से बाहर निकलता जाता है। और घंटी की आवाज़ ख़त्म होतेदृहोते मैं घर पहुंच जाता था। पूरे दिन का भूखा होने पर, घर पर चाय के साथ दोदृतीन मकई की रोटियाँ लपेट लेता था।

वक़्त यूँ ही निकलता गया, छठी से दसवीं में आ पहुँचा। पर वही इन्तजार छुट्टी की घंटी का। सतपाल भी अब बुर्ज़ुग होने लगा था। एक दिन हम सब छुट्टी की घंटी का इन्तजार कर रहे थे कि सतपाल की तबीयत कुछ ढीली लग रही थी। सुस्त क़दमों से वह घंटी की तरफ जा रहा था। और जैसे ही लकड़ी का हत्था उठाने के लिए उठाया और टन .... की आवाज़ आई। उसके बाद खामोशी छा गई। सबने देखा कि सतपाल नीचे धड़ाम से गिरा और जब तक कि अध्यापक लोग उसके पास पहुँचे, उसके प्राणदृपखेरू उड़ चुके थे। मैं, जल्दबाज़ हो

गया। थैला कंधे से उतार, सारे मंजर को देख रहा था। कोई डॉक्टर बुलाने की बात कर रहा था, कोई पानी लेकर आ रहा था। परंतु मुझे बहुत गहरा आघात लगा। उस दिन घर जाने की जल्दी न थी। मर पिट कर घर पहुँचा। घर में भी इस घटना का सबको पता चल गया था। उस रात मैंने खाना नहीं खाया। रात भर नींद न आई। सोचता रहा कि अब घंटी कौन बजाएगा? सतपाल कितना अच्छा था! बेनागा वह हमें रोज सुबह बुलाता था और समय पर छुट्टी की घंटी बजाता था। वह अब कहाँ गया कृ ? मौत के बाद आदमी कहाँ जाता हैकृ ष्सुना है, स्वर्ग और नरक होते हैंष्। सोचतेदृसोचते नींद आ गई। सुबह उठा। ठीक 9रू30 पर पहली घंटी बज उठी। हैरान हुआ कि सतपाल का देहांत हो गया, तो इसे कौन बजा रहा है? पर घंटी बजाने में वो आकर्षण, वो लय न थी। स्कूल पहुँच कर देखा कि दूसरा चपरासी घंटी बजा रहा है। कृ और वक्त फिसलता रहा। स्कूल से कॉलेज, फिर विश्वविद्यालय और अब सरकारी नौकरी में व्यस्त हो गया। लेकिन अब भी जब कोई उबाऊ मीटिंग होती है और जनरल बेलना पड़ता है। तब सतपाल का ख्याल आ जाता है कि काश, कोई सतपाल आकर छुट्टी की घंटी बजा दे। परंतु नज़रें सतपाल को ढूँढती रहती हैं। लेकिन ?

जीएसटी सुधारों से गरीबों, मध्यम वर्ग, किसानों, एमएसएमई, महिलाओं और युवाओं को बड़ी राहत मिलेगी : पूर्व मंत्री प्रिया सेठी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देश को ष्जीएसटी की शुरुआत से अब तक का सबसे जन–हितैषी सुधारष् की ओर अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए फैसलों से परिवारों, उद्योगों और किसानों, सभी को बड़ी राहत मिलेगी।

जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सेठी ने कहा, ष्ये सुधार प्रधानमंत्री के कराधान को सरल, निष्पक्ष और आम नागरिक के लिए वास्तव में लाभकारी बनाने के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।ष् उन्होंने आगे कहा, ष्पनीर, चपाती, खाखरा, साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट और रसोई के बर्तनों जैसी रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर जीएसटी कम करने से लेकर जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर छूट देने तक, यह सुधार समाज के हर वर्ग को कवर करता है।ष्

उन्होंने कहा कि 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी इन सुधारों का समय भी प्रतीकात्मक है।

उन्होंने कहा, ष्सरकार ने भारत के लोगों को यह उपहार देने के लिए नवरात्रि की शुभ शुरुआत को चुना है।

यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री मोदी परिवारों, किसानों और मध्यम वर्ग के बारे में सोचते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत की विकास गति बनी रहे।ष्

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में जीएसटी परिषद की प्रशंसा करते हुए सेठी ने कहा कि 5: और 18: की नई दो–स्लैब संरचना से भ्रम समाप्त होगा, मुकदमेबाजी कम होगी और व्यवसायों को बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, यह सरलीकरण केवल दर समायोजन नहीं है, बल्कि यह एक संरचनात्मक सुधार है जो व्यापार को आसान बनाने को बढ़ावा देता है। कपड़ा, कृषि इनपुट और स्वास्थ्य सेवा जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों को इससे अत्यधिक लाभ होगा।ष्

उन्होंने ऑटोमोबाइल क्षेत्र को दी गई राहत पर भी प्रकाश डाला। ष्छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी कम करके, सरकार ने मध्यम वर्गीय परिवारों और युवाओं की सीधी मदद की है।

साथ ही, उद्योगों को अब विकास और रोज़गार सृजन के लिए एक विश्वसनीय ढाँचा मिल गया है।ष्

इसे एक ष्ऐतिहासिक मील का पत्थरष् बताते हुए, सेठी ने कहा कि ये सुधार सबका साथ, सबका विकास के दर्शन को मज़बूत करते हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी सरकार जनता के साथ खड़ी है। ये जीएसटी सुधार परिवारों पर बोझ कम करने, व्यवसायों को विश्वास दिलाने और यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि भारत की आर्थिक यात्रा और अधिक समावेशी बने।

जीएसटी में बदलाव आम आदमी के लिए बड़ी राहत : डॉ. ताहिर चौधरी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित व्यापक बदलावों का स्वागत करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने गुरुवार को कहा कि इन सुधारों से जम्मू–कश्मीर में दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर का बोझ कम होने से घरों और छोटे व्यवसायों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि रोटी, पराठा, दूध उत्पाद, हेयर ऑयल, साबुन और उपभोक्ता वस्तुओं जैसी आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती के फैसले से आम परिवारों पर बढ़ती लागत का दबाव कम होगा। डॉ. चौधरी ने कहा, ष्यह एक जन–केंद्रित सुधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने एक बार फिर दिखाया है कि आम आदमी का कल्याण उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भाजपा नेता ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के मध्यम वर्गीय परिवारों, युवाओं और कामकाजी पेशेवरों को भी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी की छूट से लाभ होगा।

उन्होंने कहा, ष्इससे अधिक लोग अतिरिक्त लागत की चिंता किए बिना बीमा के दायरे में आने के लिए प्रोत्साहित होंगे।ष्

चौधरी ने कहा कि कर ढांचे को चार स्लैब से दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने से केंद्र शासित प्रदेश में व्यापारियों और दुक. ानदारों के लिए अनुपालन आसान हो जाएगा।

उन्होंने कहा, "जम्मू–कश्मीर के छोटे व्यापारी, जो पहले जटिल स्लैब से जूझ रहे थे, अब जीएसटी को अधिक सरल और पारदर्शी पाएंगे।"

डॉ. चौधरी ने आगे जोर देकर कहा कि सस्ता सीमेंट, दोपहिया वाहन और घरेलू उपकरण भी स्थानीय निर्माण गतिविधि और उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा, ष्यह सुधार सिर्फ कराधान के बारे में नहीं है, यह विकास, रोजगार और आम आदमी के लिए राहत के बारे में है।

हजरतबल दरगाह पर राष्ट्रीय प्रतीक का विरोध करने वालों पर मामला दर्ज होना चाहिए : जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड प्रमुख

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने शुक्रवार को यहां पुनर्निर्मित हजरतबल मस्जिद के उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने का विरोध करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। मस्जिद परिसर के अंदर उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह रखा गया, जिसकी विभिन्न पक्षों से तीखी आलोचना हुई। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के मुख्य प्रवक्ता और जदीबल के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि प्रतिष्ठित मंदिर में मूर्ति स्थापित करना इस्लाम के खिलाफ है, जो मूर्ति पूजा की सख्त मनाही करता है।

ष्मैं कोई धार्मिक विद्वान नहीं हूँ, लेकिन इस्लाम में मूर्ति पूजा सख्त मना है – जो सबसे बड़ा पाप है। हमारी आस्था का आधार तौहीद है। प्रतिष्ठित हज़रतबल दरगाह में मूर्ति स्थापित करना इसी मान्यता के विरुद्ध है। पवित्र स्थानों में केवल तौहीद की पवित्रता झलकनी चाहिए, और कुछ नहीं, सादिक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। शुक्रवार को लोगों ने पत्थरों से उद्घाटन पट्टिका को तोड़ दिया तथा राष्ट्रीय प्रतीक को हटा दिया। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अंद्राबी ने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

मानवता व शांति के पक्ष में खड़े हो कर ही बिनाशकारी युद्धों व पर्यावरणीय अंसतुलन से बचा जा सकता है

आई डी खजुरिया

क्या सचमुच हमारे आर्थिक राजनीतिक व विकास करने का ढांचा अति चरित्रहीन व अति भ्रष्ट हो चुका है या प्राकृतिक प्रक्रियाएं तथा अंर्तक्रियाएं इतनी दुषित हो गई हैं और अति अंत की ओर बढ़ रही हैं यहां मानव की समझ में नहीं आ रहा है या प्राकृतिक ढांचे में कोई नया बदलाव आने बाला है।

एक सच्चाई तो हमें समझ आती ही है कि इस प्रक्रिति में कोई भी घटना दिखती हो या न दिखती हो जब घटती है तो समझ में यही आता है कि यह मानव की ग़लती से घंटी या फिर समझने में मुश्किल होती हो तो प्रक्रिति का खेल मान कर चुप हो जाना हमारी आदत बन चुकी है।

परन्तु हम 21वीं शताब्दी में भी अपने ज्ञान के आधार पर न ही सोच रहे हैं और न ही तय कर रहे हैं यह हम भारी अन्याय कर रहे हैं अपनी इस पीढ़ी से और आने बाली अगली पीढ़ी ओं से।

इसी तरह हम अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी न तो राजनीतिक विज्ञान को समझते हैं न ही राजनीतिक पार्टियों का ज्ञान व प्लान (योजना) समझने में अपना योगदान देते हैं।

राजनीतिक पार्टियों के उन नारों और साजिशों का हिस्सा बन जाते हैं जो साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं कभी कभी तो खुनी खेल भी हो जाते हैं या फिर राजनीतिक पार्टियों के आपसी नीतियों को बढ़िया और नीचा दिखाने के खेल का हिस्सा वन जाते हैं और अव तो एक दूसरे के बोट कटाने या बढ़ाने की साजिशों में भागीदारी बनते जा रहे हैं।

और असली फर्ज जो राष्ट्र हित में निभाना होता है या जनता के अधिकारों को (जिसमें जीवन सुरक्षा,हर हाथ को काम, फ्री एजूकेशन, फ्री मैडीकल सर्बिसज नौ जबानों के लिए हर हाथ में काम,हर परिवार को मकान,मुफ्त बिजली,हर गांव में गाड़ी जाने योग्य सड़क , पीने का पानी , खेलों के मैदान आदि ।पटबारी, बिजली, पानी के जेई आदि अफसर ढाबों में बैठने चाहिए ताकि जनता को मिलने में आसानी हो।

परंतु जनता की बुनियादी मांगों को लेकर राजनीतिक पार्टियों को कोई ध्यान नहीं होता सिर्फ हैलीकॉप्टर पर आए हुए बी बी आई पी के ईलान का इंतजार होता है उसी का शोर सुनता है और और जनता की सुनबाई कोई नहीं कराता है।

उसके बाद फिर सरकारें बनती हैं तो भी बी आई पी आते हैं दिल्ली से ही कंट्रैक्टर और दिल्ली से ही कंट्रैक्ट साथ लेकर बताते हैं कि आप खेत खाली करो बहुत चौड़ी और बहुत ऊंची सड़क आ रही आप बहुत जल्दी दिल्ली पहुंचेंगे।

फिर एक और बहुत बड़ा कंट्रैक्टर आता है कहता है आप जमीन खाली करो और हमें दो हम बहुत बड़ी बड़ी फैक्ट्रीयां और इंडस्ट्रीज लगा रहे हैं और आप की तरक्की होगी।

परन्तु नौकरी आप को नहीं दे सकते हैं वैसे ही आप की जिंदगी बदल देंगे ।

आप की मिट्टी,रेत,बजजर , पत्थर, छोटे टिले –पहाड़ीयां , पानी के स्रोत,माल मधेशी सब खत्म कर देंगे फिर आप आराम से रह सकते हैं।आपको कोई काम नहीं करना होगा घर में आराम से रह सकोगे आप की

, यू टी, की बड़ी प्रगति होगी ।

बड़ी मशीनें और बड़े बड़े ट्राले और भारी भारी रेत बजरी के लम्बे लम्बे ट्रक चलेंगे तो आप को आने जाने में चार –पांच साल की परेशानी होगी परंतु जम्मू–कश्मीर भारत का पक्का मुकुट बन जाएगा।

हां मानी हुई कड़वी सच्चाई तो यही है कि हमारा राजनीतिक और सामाजिक दर्जा निम्न स्तर तक गिर चुका है आर्थिक स्थिति तो गिरनी लाज़मी है कि जमीन व नौकरी की गारंटी नहीं रही ।इस यू–टी मैं स्थाई शांति की तो कोई आशा नहीं ।

हां पिछले छे सालों में हमारा पर्यावरण बिल्कुल बुरी तरह बदल गया है

पहले तो पढ़ने से ही ज्ञान हुआ कि पर्यावरण बदल रहा है, जमीन औसतन से ज्यादा गर्म हो रही है और मौसम बदल रहे हैं जिसे क्लाइमेट चेंज भी कह रहे हैं और पुरी दुनिया के लोग चिंतित भी हैं और आवाज़ भी बुलंद कर रहे हैं हमारे साथ के दो पहाड़ी राज्यों उत्तराखण्ड और हिमाचल में जब से बिकास का नारा बुलंद किया अंधाधुंध पेड़ों की कटाई शुरू हुई ऊंची ऊंची ईमारतें खड़ी हुई तो जनता को समझ लगी हमारी ज़मीन हमारे खनन पदार्थ लुटने वाले हैं हमारे पेड़ कटने बाले हैं । शांतिपुरण आंदोलन तो चले परन्तु जो कारपोरेट मंसुबे थे वो आहिस्ता आहिस्ता आगे आगे बढ़ते गए।

पिछले कुछ सालों से सुनते हैं बादल फटते हैं बड़ा बड़ा नुक्सान होता है और इन्सानी जाने भी जातीं हैं

इस साल इन दो राज्यों के साथ–साथ जम्मू–कश्मीर किश्तवाड़ –चौसोटी में भी जो बादल फटे इस ने तो बरसों पहले के केदारनाथ हादसे के जैसा महसूस करा दिया। उसके बाद तो रोज का खतरा बन गया है उस में जिला कठुआ तो समय समय पर रोज काम्पता है और जनता का जानी –माली नुकसान तो करता है ज़िला कठुआ के राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो पुलों को गिरा दिया जिससे आवागमन बाधित हुआ है जिससे जनता को परेशानी होना सभाबिक है। अब भी वक्त है संभल जाओ नहीं तो 35500 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करने का प्लान है सरकार और106 कंपनीयों का किसान से और अपनी चुनी हुई सरकार ही जमीन छीनने के लिए लड़ेगी सबसे पहले हमला किसानों पर ही होगा क्योंकि जमीन लेनी है। फूड सिक्योरिटी आम जनता के हाथों से ले कर कॉरपोरेट को देने के लिए क्यों कि किसान न काबिल हैं।

किसान तो फिर भी कुछ दिन झेल जायेगा लेकिन बाकी तबके तो इतना भी नहीं झेल पायेंगे।निशाना किसान दिखाये जा रहे हैं लेकिन इसका शिकार तमाम आम लोग भी होंगे जैसे छोटे दुकानदार/व्यापारी/कामगार/मजदूर आदि। और ख़ास बात यह है इन तबकों को अहसास ही नहीं है कि आगे क्या होने वाला है।इन तबक़ों को धर्म का और जात–पात का नशा चढ़ा दिया गया है

जब कि मौसम के इस बदलाव ने जम्मू–कश्मीर में हा हा कार मचा दी है चाहे कश्मीर बादी हो या जम्मू क्षेत्र में पीर पंचाल का क्षेत्र हो,चिनाब वैली क्षेत्र हो या फिर जम्मू का मैदानी और कणडी क्षेत्र हो आज 26–8–2025 रात तक सुचना के आधार पर सारी आबादी हिल चुकी है।सारे दरिया पुंछ से लेकर दरिया रवि तक जिस में दरिया चिनाब,तबी,बसंतर,तरनाह,उज,सहार,मघगर सभी के सभी खतरे से उपर पानी से बैह रहे हैं। कठुआ में नेशनल हाईवे पर विजयपुर और जम्मू में बड़े पुल टूट कर बह गये हैं।

बहुत से लोग बेघर हो गए हैं।केई परिवारों ने अपने घरों से बाहर किसी रिस्तेदारों , मित्रों या कम्युनिटी सेंटर में आसरा बनाया है।सरकार ने भी कल से स्कूल व सरकारी दफ्तर या अन्य कारोबार बन्द रखने के हुक्म दिये हैं ।

आज हम सब के लिए सोचने और समझने का भी चौलेंज है कि कहीं मानवजाति से ही तो नहीं कोई बड़ी ग़लती हो रही है कि मानव ने अपने लालच को पुरा करने अपने आप को बड़े दौलतमंद बनाने अपने राज्य बनाने,देश बनाने फिर उसकी रक्षा करने के लिए हथियार बंद पोजीशन बनाना फिर दुसरे राज्यों को जीतने या उसे दबाने या गुलाम बनाने के लिए हमले करने और हमलों में गोला बारूद इस्तेमाल करते करते आज एटम बम्ब , मिज़ाइल और न्यूक्लीयर हथियारों तक पहुंचना और इन्हें आज तक जारी रखना।

जिस के लिए प्रकृति स्रोतों को जिन में जल ,जंगल , जमीन , ऊर्जा और हवा को हद से ज्यादा इस्तेमाल करना और ज़मीन के नीचे से बड़ी बड़ी खाने निकालकर उन में से कोयला, सोना, चांदी, लोहा, लिथियम, पैट्रोलियम पदार्थ आदि बिना लिमिट निकालने का लालच करना जिससे भी हमारी पृथ्वी पर अंसतुलन बनता है जो ऐसे हालात पैदा करते हैं। जब तक लालच की मानसिकता खत्म नहीं होगी, खासकर कारपोरेट्स की बडे से बडा बनने की मानसिकता का अंत न हो और कारपोरेट्स की बफादार सरकारें और पार्टियों की मानव ब प्रकृति विरोधी नीतियों का खात्मा न हो तब तक मानवता को और सब नस्ली पहचानोंको साथ लेने की राजनीति अपनानी होगी।

जंगों और टकराव की राजनीति का अंत करना होगा मानवता और अंतरनिर्भरता, सहभागिता, सह–अस्तित्व और भिन्नता में एकता का युग लाना होगा।

आई डी खजुरिया।
26–8–2025
हिंदू सिख ईसाई मुसलमान
सबसे पहले हैं इन्सान ।
इन्सानियत सबसे महान है
गर्व से कहो हम इन्सान हैं।

जम्मू प्रशासन ने तवी नदी में बाढ़ के बाद बहाली कार्य तेज किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : प्रशासन ने तवी नदी में आई बाढ़ के बाद जम्मू शहर के निचले इलाकों में बहाली कार्य और मलबा हटाने का काम तेज कर दिया है तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी और बिजली की आपूर्ति काफी हद तक बहाल कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 70 प्रतिशत जलापूर्ति और 80 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है।

रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण दहशत फैल गई, क्योंकि सूर्य पुत्री के नाम से प्रसिद्ध तवी नदी में 26 अगस्त को बाढ़ का प्रकोप बढ़ गया, जिससे सैकड़ों घर और कई हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई, इमारतें और पशुधन बह गए, तथा जम्मू शहर, विशेषकर गुज्जर नगर और पीरखो में हजारों लोग विस्थापित हो गए।

संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने कहा, ष्इलाकों से कीचड़ और मलबा हटाने और तवी नदी के बाढ़ के पानी से जमा हुए मलबे को पूरी तरह से साफ करने के लिए सफाई अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। प्रशासन इस मुद्दे पर पूरी तरह से काम कर रहा है।

कुमार ने उपायुक्त राकेश मिन्हास और जेएमसी आयुक्त देवांश यादव के साथ गुरुवार को मौसम की स्थिति में सुधार होने के बाद मजदूरों और मशीना. ॅ द्वारा किए जा रहे कार्यों की निगरानी की।

उन्होंने कहा, ष्इलाकों की जल्द से जल्द सफाई सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में मजदूर और छह जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारी इस प्रक्रिया पर नज़र रख रहे हैं।

26 अगस्त की सुबह, शांत नदी एक प्रचंड बाढ़ में बदल गई, जिससे निचले इलाके, खासकर पीरखो, गुज्जर नगर, गोरखा नगर, राजीव नगर और अन्य नदी किनारे की कॉलोनियाँ, जलमग्न हो गईं। सड़कें जलमार्ग बन गईं, जिससे श्मंदिरों के शहरश में दहशत के बीच बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू हो गए।

सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में से एक, पीरखो, आधे दबे वाहनों, मलबे, पत्थरों और उखड़े हुए पेड़ों से अटा पड़ा था। 300 से ज़्यादा लोगों को, जिनमें अपनी माँओं से लिपटे बच्चे और चलने–फिरने में असमर्थ बुजुर्ग भी शामिल थे, बेतहाशा बचाव प्रयासों के ज़रिए बाहर निकाला गया। लेकिन डर अभी भी छाया की तरह छाया हुआ था।

कुमार ने कहा कि प्रशासन सक्रियता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्उपायुक्त, नगर आयुक्त और जेपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक – सभी ज़मीनी स्तर पर मौजूद हैं और ज़रूरी चीज़ों को बहाल करने के लिए तेज़ी से काम कर रहे हैं। इलाके में मलबा और गंदगी हटाने का काम चल रहा है।ष

संभागीय आयुक्त ने आगे कहा कि पानी और बिजली की सुविधाएं पूरी तरह बहाल की जा रही हैं।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी

काठमांडू की चेतावनी

संपादक – राज कुमार

सोमवार को काठमांडू में हुआ हंगामा सिर्फ़ सड़क पर हुए विरोध प्रदर्शनों की कहानी नहीं है। यह इस बात की याद दिलाता है कि आधुनिक समाज के ताने–बाने में डिजिटल स्वतंत्रताएँ कितनी अहम हो गई हैं, और सरकारें कितनी आसानी से इन पर अंकुश लगाने के परिणामों का गलत आकलन कर लेती हैं। दर्जनों लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के फ़ैसले ने एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू कर दी, जिसमें कम से कम 19 लोग मारे गए, कई घायल हुए, और राज्य की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा। बढ़ते दबाव के बीच, नेपाल सरकार ने अब प्रतिबंध हटा लिया है, लेकिन नुकसान की भरपाई के लिए यह कदम बहुत देर से उठाया गया है। नेपाल के नेताओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया सिर्फ़ एक तकनीकी नवीनता नहीं है; यह एक सार्वजनिक मंच है और डिजिटल पहुँच स्वतंत्रता और अवसर का पर्याय है। अभिव्यक्ति के वैकल्पिक रास्ते बनाए बिना या पारदर्शिता सुनिश्चित किए बिना इसे प्रतिबंधित करने से केवल शिकायतें बढ़ेंगी। आधिकारिक औचित्य – गलत सूचना, अभद्र भाषा और धोखाधड़ी का मुकाबला करने के लिए ऑनलाइन स्थानों को विनियमित करना – अनोखा नहीं है। दुनिया भर की सरकारें समान चुनौतियों से जूझ रही हैं। फिर भी, नेपाल के रुख की कठोरता, जिसने लाखों लोगों द्वारा रोज़ाना इस्तेमाल किए जाने वाले प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच को अचानक से काट दिया, संरक्षण की नहीं, बल्कि नियंत्रण की नीति को उजागर करती है। डिजिटल युग में, सोशल मीडिया कोई विलासिता नहीं है। खासकर युवाओं के लिए, यह उनका बाज़ार, कक्षा, न्यूज़स्टैंड और मंच है। इस पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करना आजीविका और पहचान, दोनों पर एक साथ हमला करना है। जेनरेशन ज़ेड के स्वयंभू सदस्यों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन, सिर्फ़ इंस्टाग्राम या यूट्यूब तक पहुँच खोने के बारे में नहीं थे। सड़कों पर लगे नारे – ष्बस, बहुत हो गयाष और ष्भ्रष्टाचार का अंतष – ने स्पष्ट कर दिया कि असंतोष कहीं ज़्यादा गहरा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध एक चिंगारी बन गया, जिसने शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर गुस्से को भड़का दिया। एक पीढ़ी जो पारंपरिक राजनीति से दरकिनार महसूस करती है, उसने ऑनलाइन अपनी आवाज़ उठाई है, और उस आवाज़ को दबाना टकराव को भड़काने के लिए बाध्य था। राज्य की प्रतिक्रिया ने विभाजन को और गहरा कर दिया है। पानी की बौछारें, रबर की गोलियाँ और कर्फ़्यू कमज़ोरी का संदेश देते हैं, अधिकार का नहीं। राजधानी की सड़कों पर सेना तैनात करना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि बातचीत विफल हो गई है। तनाव कम करने के बजाय, इन उपायों ने एक सत्तावादी प्रवृत्ति की धारणा को और मज़बूत कर दिया है। इससे भी बदतर, कई नागरिक प्रतिबंध को दरकिनार करने के लिए वीपीएन का सहारा ले रहे हैं, जिससे इस दमनकारी कार्रवाई का मूल औचित्य ही कमज़ोर हो गया है। सरकार के हाथ खून से रंगे हैं और प्रभावी नियमन के नाम पर दिखाने के लिए कुछ खास नहीं है। यहाँ सबक यह नहीं है कि डिजिटल स्पेस को अराजक ही रहना चाहिए। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म में जोखिम होते हैं, और राज्यों का कर्तव्य है कि वे नागरिकों को दुर्भावनापूर्ण सामग्री से बचाएँ। लेकिन तरीका मायने रखता है। नियमन के लिए विश्वास, परामर्श और आनुपातिकता की आवश्यकता होती है। गोलियों और डंडों से लागू किए गए कठोर आदेश उस विश्वास को नष्ट कर देते हैं। एक नाजुक लोकतंत्र में, जहाँ नागरिकों का संस्थानों में विश्वास पहले से ही कमज़ोर है, ऐसे उपाय दीर्घकालिक अस्थिरता का जोखिम उठाते हैं। काठमांडू की त्रासदी एक चेतावनी हैरू 21वीं सदी में, किसी सरकार की वैधता सूचना को नियंत्रित करने की उसकी क्षमता पर नहीं, बल्कि एक सशक्त, जुड़ी हुई और अधीर पीढ़ी के साथ जुड़ने की उसकी क्षमता पर निर्भर करती है।

20 नवंबर 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफ़ी नहीं मांगी।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की श्तानाशाहीश के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

25 जून 2025 को कांग्रेस पार्टी की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज सबका जम्मू कश्मीर को दिए साक्षात्कार में कहा, श्कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।श

20 नवंबर 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, श्श्आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफ़ी नहीं मांगी। ख़ासकर नेहरू–गांधी खानदान से अफ़सोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। ग़ैर–कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर ख़ामोश ही रही। माफी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है। श्पूर्व पीएम ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दर्शाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।श्श पूर्व पीएम राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस पार्टी के मूल चरित्र को दर्शाता है।

आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को

हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज़्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदि. रा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मर्यादाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विद. `श मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा कि, हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें? मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदि. रा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।"

मई 2004 में ए इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, ष्ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था।ष

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को श्प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमलाश बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लो. कतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस पार्टी के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ष्उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।ष यानी अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं।

नैयर लिखते हैं कि, श्श्युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हर्जाना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी जी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिक. ारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

अरविंद गुप्ता ने जम्मू में पेयजल संकट को दूर करने में विफल रहने के लिए एनसी सरकार की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा के वरिष्ठ नेता और जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने आज जम्मू शहर के लोगों को राहत प्रदान करने में विफल रहने के लिए एनसी सरकार पर कड़ा हमला बोला, विशेष रूप से कई वार्डों में जहां पेयजल की भारी कमी बनी हुई है।

भाजपा कोषाध्यक्ष प्रभात जामवाल, प्रवक्ता रजनी सेठी, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ब्रह्मज्योत, वरिष्ठ नेता बावा शर्मा, मंडल अध्यक्ष कुशांत दफरा और अन्य पार्टी नेता भी अरविंद गुप्ता के साथ थे, जब वे जम्मू-कश्मीर भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

अरविंद गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जम्मू हाल ही में लगातार बारिश, बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से सबसे ज़्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक रहा है, जिसमें कई लोगों की जान भी चली गई।

उन्होंने कहा कि शहर के कई निर्वाचन क्षेत्रों, खासकर जम्मू पश्चिम, के लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

कई परिवार, जिनमें पहले से ही गुज़ारा करने के लिए संघर्ष कर रहे लोग भी शामिल हैं, बाढ़ में अपना सारा सामान खो चुके हैं और अनगिनत कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

पेयजल की गंभीर समस्या पर, विधायक ने कहा कि शीतली जलापूर्ति व्यवस्था के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के बाद जम्मू के लगभग दो लाख लोग इस संकट से सीधे तौर पर प्रभावित हैं।

हालाँकि विभागीय अधिकारियों ने शुरुआती बैठकों में जल आपूर्ति बहाल करने का वादा किया था, लेकिन 10 दिन से भी ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है।

उन्होंने माँग की, ष्कुछ वार्डों में अभी भी पेयजल की सुविधा नहीं है, जबकि कई इलाकों में गंदा पानी भरा हुआ है। इन इलाकों से, जल आपूर्ति प्रणाली के मुख्य बिंदुओं सहित, तुरंत जल निकासी की तत्काल आवश्यकता है।

अरविंद गुप्ता ने भी नैतिक ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हुए स्वीकार किया कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी निवासियों को समय पर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा कि हालाँकि पीएचई विभाग ने टैंकरों के ज़रिए पानी की आपूर्ति करने का प्रयास किया, लेकिन यह उपाय केवल प्रायोगिक ही रहा और पूरी तरह से पानी की आपूर्ति बहाल करने के लिए किसी ठोस नीति या बैकअप योजना का अभाव रहा।

केंद्रीय सहायता पर विश्वास व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और नुकसान की भरपाई के लिए वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया है।

उन्होंने यह भी बताया कि सभी भाजपा जनप्रतिनिधियों ने तत्काल राहत के लिए धनराशि का योगदान दिया है, प्रत्येक भाजपा विधायक ने 1 करोड़ और प्रत्येक भाजपा सांसद ने 2.5 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, कुल मिलाकर 35.5 करोड़ रुपये की राशि।

विधायक ने मांग की कि पीएचई की आपूर्ति मूल विभाग को वापस हस्तांतरित की जाए ताकि लोगा. ेको भविष्य में इस तरह के गंभीर जल संकट का सामना न करना पड़े।

जनता को यह भी आश्वासन दिया कि वे जम्मू पश्चिम और उसके आसपास के नालों और नालों में बाढ़ नियंत्रण के ठोस और स्थायी उपाय करने के लिए प्रयास करेंगे, दीवारों को मजबूत करके और अतिक्रमणों पर कार्रवाई करके।

उन्होंने सरकारी विभागों और जन प्रतिनिधियों से भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति रोकने के लिए खुली और सामूहिक जिम्मेदारी लेने को कहा।

जम्मू संभाग में 11 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना : आईएमडी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जम्मू संभाग के कई जिलों के लिए मौसम संबंधी परामर्श जारी किया है, जिसमें अगले पांच दिनों, 7 से 11 सितंबर तक, हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है।

आईएमडी द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, जम्मू, कठुआ, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों में पूर्वानुमानित अवधि के दौरान अलग-अलग तीव्रता की बारिश होने की संभावना है। एडवाइजरी में बताया गया है कि 7 सितंबर को जम्मू, कठुआ और उधमपुर में अलग-अलग जगहों पर, खासकर शाम और रात के समय, भारी बारिश हो सकती है, जिससे पहाड़ी इलाकों में स्थानीय बाढ़ या भूस्खलन हो सकता है।

जम्मू जिले के लिए, मौसम विभाग ने 7 और 8 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है।

9 सितंबर से, मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर कभी-कभार हल्की बारिश होने की संभावना है। कठुआ और उधमपुर जिलों के लिए भी ऐसी ही स्थिति का अनुमान लगाया गया है, साथ ही 7 और 8 सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की भी संभावना है।

परामर्श में आगे बताया गया है कि डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों में 7 और 8 सितंबर को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे तथा हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद के दिनों में धीरे-धीरे आसमान साफ होने की उम्मीद है तथा 9 से 11 सितंबर के बीच आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

अधिकारियों ने भूस्खलन-प्रवण और पहाड़ी इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने की चेता. वनी दी है क्योंकि भारी बारिश के दौरान जलभराव, सड़कें जाम होने और भूस्खलन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। एडवाइजरी में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य आंतरिक मार्गों पर यात्रा करने वालों से भी आग्रह किया गया है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएँ और स्थानीय अधिकारियों से अपडेट प्राप्त करें।

आईआरसीटीसी ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस में स्थानीय शाकाहारी व्यंजन पेश किए

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर की समृद्ध पाक विरासत को बढ़ावा देने के लिए रेलवे ने आईआरसीटीसी के साथ मिलकर रविवार को हाल ही में शुरू की गई कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस में स्थानीय शाकाहारी व्यंजन परोसना शुरू कर दिया।

मेनू में प्रसिद्ध कश्मीरी श्कहवाश, ताज़ा बेकरी आइटम, कश्मीरी पुलाव, राजमा, बाबरू, अंबल कद्दू और ताज़ा सेब जैसे व्यंजन शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी वंदे भारत ट्रेन में नाश्ते और दोपहर के भोजन के दौरान यात्रियों के लिए पारंपरिक स्थानीय व्यंजन तैयार करेंगे और परोसेंगे। इस ट्रेन का शुभारंभ 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यह कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए बहुप्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क के पूरा होने का प्रतीक है। इस पहल को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने वाले अधिकांश लोगों ने स्थानीय मेनू को चुना और भोजन की गुणवत्ता और स्वाद की प्रशंसा की।

आईआरसीटीसी के चेयरमैन हरजोत सिंह संधू ने कहा, ष्इस सुविधा का उद्देश्य कश्मीर में यात्रियों को एक प्रामाणिक और यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करना है, जिससे उन्हें अपने गंतव्य स्टेशन से पहले ही मौके पर स्वाद का आनंद लेने का सही अवसर मिल सके।ष्

जम्मू संभाग के वरिष्ठ संभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, उचित सिंघल ने कहा कि इस मॉडल में अत्याधुनिक स्वच्छ रसोईघर होंगे।

उन्होंने कहा, ष्पैकेजिंग में भी सुधार किया जाएगा - एल्युमिनियम फ़ॉइल से लेकर एयरलाइन-स्टाइल टेफ्लॉन-कोटेड कैसरोल और प्लास्टिक की जगह पर्यावरण-अनुकूल कॉयर ट्रे तक। पेशेवर पर्यवेक्षक उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए संच. ालन और कर्मचारियों के प्रशिक्षण की देखरेख करेंगे।

उच्च स्तरीय रेलवे टीम ने जम्मू संभाग में बाढ़ प्रभावित पुलों की मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय टीम ने रविवार को उत्तर रेलवे के जम्मू संभाग में हाल ही में आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए तीन महत्वपूर्ण पुलों पर चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया।

तीन महत्वपूर्ण पुलों सहित रेल अवसंरचना को हुए नुकसान के कारण पिछले एक पखवाड़े में जम्मू संभाग में रेल सेवा बाधित हुई है और उत्तर रेलवे ने 30 सितंबर तक जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 68 रेलगाड़ियों को रद्द करने की घोषणा की है।

हालांकि, रेलवे ने 4 सितंबर को 21 ट्रेनों को बहाल करने से पहले फंसे हुए यात्रियों के लिए विशेष ट्रेन सेवा शुरू की थी।

4 सितंबर को जम्मू और कटरा के बीच ट्रैक पर हुए ताजा भूस्खलन के कारण ट्रैक पर नई शुरू की गई शटल सेवा को निलंबित करना पड़ा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक इच्छित सिंघल सहित निरीक्षण दल ने पठानकोट छावनी और कंदरोड़ी ब्लॉक के बीच चक्की नदी पर बने पुल संख्या 232, कठुआ (जेके) और माधोपुर (पंजाब) के बीच पुल संख्या 17 और घगवाल और हीरानगर (जेके) पर बने पुल संख्या 137 सहित क्षतिग्रस्त पुलों का दौरा किया।

अधिकारी ने बताया कि टीम ने इन सभी पुलों का व्यापक निरीक्षण किया और मरम्मत कार्य की गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

जम्मू मंडल रेल प्रबंधक ने मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते हुए कहा, ष्बाढ़ के बाद 232 पुलों सहित बुनियादी ढांचे का विस्तृत निरीक्षण किया गया क्योंकि यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।ष्

उन्होंने कहा कि मंडल में सामान्य रेल सेवाएं बहाल करने के लिए मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

जीएसटी 2.0 विकास के लिए दोहरी खुराक है; अगली पीढ़ी के सुधार नहीं रुकेंगे : मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जीएसटी 2.0 को देश के लिए समर्थन और विकास की दोहरी खुराक बताया और कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों का सिलसिला नहीं रुकेगा।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत में मोदी ने कहा कि उन्होंने लाल किले की प्राचीर से दिवाली और छठ से पहले अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का "डबल धमाका" करने का वादा किया था और नई सरलीकृत कर दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

छठ बिहार के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जहां इस वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि दिवाली और नवरात्रि पूरे देश में मनाए जाते हैं।

मोदी की यह टिप्पणी जीएसटी परिषद द्वारा 5 और 18 प्रतिशत की दो स्तरीय दर संरचना के साथ जटिल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में पूर्ण बदलाव को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आई है।

उन्होंने रसोई की आवश्यक वस्तुओं, खेती–किसानी से संबंधित वस्तुओं और यहां तक कि दवाओं पर भी उच्च कर लगाने के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की आलोचना की।

प्रधानमंत्री ने कहा, "यदि वह व्यवस्था जारी रहती तो आपको 100 रुपये की प्रत्येक खरीद पर 20–25 रुपये कर देना पड़ता। लेकिन हमारी सरकार का उद्देश्य आम लोगों के जीवन में अधिकतम बचत सुनिश्चित करना और लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है।"

उन्होंने जीएसटी सुधारों की तुलना देश की अर्थव्यवस्था में "पंच रत्न" जोड़ने से की – सरल कर प्रणाली, नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर, उपभोग और विकास को बढ़ावा, व्यापार में आसानी के माध्यम से निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूत करना।

उन्होंने कहा, "समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज के वैश्विक संदर्भ में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बहुत ज़रूरी है। मैंने देशवासियों से यह वादा भी किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों की दोहरी बौछार होगी।"

प्रधानमंत्री ने छात्रों से देश की कम से कम एक आवश्यकता को पूरा करने के तरीकों के बारे में सोचने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाला नया कानून देश के युवाओं के भविष्य की रक्षा करेगा।

उन्होंने कहा, "गेमिंग बुरी नहीं है, लेकिन जुआ बुरा है और हमारे युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि अगर सही तरीके से काम किया जाए तो भारत वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग बाजार पर अपना दबदबा बना सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज देश में एक ऐसी सरकार है जो राजनीतिक इच्छाशक्ति रखती है और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की परवाह करती है। हमने बिना किसी दबाव की परवाह किए ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित कानून बनाया है।"

उन्होंने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर भी जोर दिया और छात्रों तथा शिक्षकों से "वोकल फॉर लोकल" अभियान का नेतृत्व करने का आग्रह किया।

जीएसटी परिषद द्वारा बुधवार को मंजूर किए गए सुधारों के अनुसार, रोटी/पराठा से लेकर हेयर ऑयल, आइसक्रीम और टीवी तक आम उपयोग की वस्तुओं की लागत कम होगी, जबकि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर कर की दर शून्य हो जाएगी।

लगभग सभी व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं और मध्यम वर्ग के लिए आवश्यक वस्तुओं, जैसे एसी, वाशिंग मशीन, पर दरों में कटौती होगी, क्योंकि सरकार घरेलू खर्च को बढ़ावा देने और अमेरिकी टैरिफ के आर्थिक प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रही है।

व्यक्तिगत जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा (फैमिली फ्लोटर सहित) पॉलिसियों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम को भी जीएसटी से छूट दी गई है। पहले, ऐसी पॉलिसियों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था।

भूस्खलन के बाद जम्मू-कटरा शटल सेवा दूसरे दिन भी स्थगित

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : स्थानीय लोगों और फंसे हुए यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए शुरू की गई जम्मू–कटरा शटल ट्रेन सेवा बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर गुरुवार को दूसरे दिन भी स्थगित कर दी गई।

भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिससे जम्मू–उधमपुर खंड में रामनगर और मनवाल के बीच रेल ट्रैक पर सुरंग संख्या 16 का प्रवेश द्वार अवरुद्ध हो गया।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा, "भारी बारिश और भूस्खलन के कारण रेलवे ने आज शटल ट्रेन सेवा (जम्मू और कटरा के बीच) रद्द करने का फैसला किया है।"

कटरा और जम्मू के बीच चार रेलगाड़ियों के साथ शटल सेवाएं 1 सितंबर को शुरू हुई थीं और 15 सितंबर तक चलने वाली थीं।

26 अगस्त को भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद पठानकोट–जम्मू खंड में कई स्थानों पर रेल लाइन के गलत संरेखण और टूटने के कारण जम्मू रेलवे डिवीजन में पिछले नौ दिनों से रेल यातायात स्थगित है।

हालांकि, रेलवे पिछले चार दिनों से जम्मू में फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियां चला रहा है।

कुल 5,784 फंसे हुए यात्रियों को जम्मू से सात ट्रेनों में आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया है।

26 अगस्त से जम्मू क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के कारण रेल और सड़क यातायात बुरी तरह बाधित होने से बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर तीर्थयात्री फंस गए हैं।

कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर के निकट भूस्खलन से 34 लोगों की मौत हो गई।

देश के लगभग 47% मंत्रियों पर आपराधिक आरोप : एडीआर रिपोर्ट

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के विश्लेषण के अनुसार, देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यह रिपोर्ट केंद्र द्वारा तीन विधेयक पेश किये जाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में 30 दिनों के लिए गिरफ्तार किये गये प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने की मांग की गई है।

एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के स्व–शपथ पत्रों की जांच की और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपरा. धिक मामले घोषित किए हैं और 88 (26 प्रतिशत) गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

चार राज्यों में सत्ता में काबिज कांग्रेस के 45 मंत्रियों (74 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं।

डीएमके के 31 मंत्रियों में से 27 (जो लगभग 87 प्रतिशत है) पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों (33 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनम. ें से 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगू देशम पार्टी का अनुपात सबसे अधिक था, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों (96 प्रतिशत) ने घोषणा की।

11 साल बर्बाद हुए, झेलम नदी की सफाई से इसे रोका जा सकता था : उमर अब्दुल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को 2014 की बाढ़ के बाद जम्मू एवं कश्मीर में शासन चलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ नहीं किया कि घाटी में बाढ़ दोबारा न आए।

अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले 11 साल बर्बाद हो गए और उन्होंने कहा कि यदि झेलम नदी और उसके बाढ़ चौनल की सफाई की गई होती तो स्थिति अलग होती।

शहर के बाढ़ प्रभावित लासजान इलाके का दौरा करने के बाद अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, "हमें यह सवाल पूछना होगा कि 2014 में कश्मीर में आई बाढ़ के बाद क्या किया गया था। जो लोग यहाँ शासन कर रहे थे, उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि बाढ़ दोबारा न आए।"

गुरुवार तड़के बडगाम जिले के शालिना में झेलम नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई।

अब्दुल्ला ने कहा कि 2014 के बाद पिछले 11 साल बर्बाद हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन द्वारा समय पर की गई कार्रवाई के कारण किसी की जान नहीं गई, जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना सुनिश्चित हुआ।

उन्होंने आगे कहा, "शुक्र है कि प्रशासन की समय पर कार्रवाई के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो नहीं होना चाहिए था। अगर पिछले 11 सालों में झेलम और बाढ़ के पानी की निकासी की गई होती, तो हमें इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

अब्दुल्ला ने कहा कि वह बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कश्मीर में एक टीम भेजने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखेंगे।

यशपाल कुंडल ने बारिश प्रभावित गलाड़ गांव का दौरा किया, नुकसान का आकलन किया

सबका जम्मू कश्मीर

रामगढ़ : विधानसभा क्षेत्र के गलाड़ गाँव में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष यशपाल कुंडल ने आज प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों से बातचीत करते हुए, कुंडल ने उनकी समस्याएँ सुनीं और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण कई घरों का अनाज और राशन नष्ट हो गया है, जिससे कई परिवार बुनियादी ज़रूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुंडल ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल नियमित दौरे करने के बजाय, अधिकारियों को लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गाँव की सड़कें पूरी तरह से जलमग्न हो गई हैं और गंदे नालों में तब्दील हो गई हैं, जिससे पहुँच बेहद मुश्किल हो गई है। कुंडल को खुद कीचड़ और कीचड़ से होकर अपने कपड़े उतारकर ग्रामीणों तक पहुँचने के लिए संघर्ष करना पड़ा। निवा. सियों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए, कुंडल ने कहा, "लोगों के पास न तो रहने के लिए सुरक्षित आश्रय बचा है और न ही पर्याप्त राशन।" उन्होंने भाजपा नेताओं पर "दूरस्थ पुलों से फोटो खिंचवाने" का आरोप लगाया, जबकि आम लोग इस आपदा का दंश झेल रहे हैं। खुद को किसान का बेटा बताते हुए, कुंडल ने कहा कि वह किसान समुदाय के दुख–दर्द को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री, सुरक्षित आवास और राशन उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि वे इस प्राकृतिक आपदा से उबर सकें।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बसोहली विधायक ने जंदराली में जन शिकायत निवारण शिविर लगाया, प्रभावितों को समय पर राहत का भरोसा दिया

सबका जम्मू कश्मीर

बसोहली : बसोहली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दर्शन सिंह ने आज जंदराली स्थित ग्रामीण विकास विभाग कार्यालय परिसर में जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित नागरिकों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना था।

शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुँचे और बिजली, पेयजल, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क संपर्क और बाढ़ व भूस्खलन से हुए नुकसान संबंधी अपनी शिकायतें रखीं। विधायक दर्शन सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर राहत प्रदान की जाए और क्षतिग्रस्त सड़कों की जल्द मरम्मत की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और बीआरओ को संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा दीवारें लगाने तथा यातायात बहाली में तेजी लाने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित गाँवों का विस्तृत सर्वे कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने और विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति योजनाओं को शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि संकट की घड़ी में वे जनता के साथ हैं और हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और राहत व पुनर्वास उपायों की समीक्षा भी की गई।

ईपीजी ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ को प्रस्तुत करने के लिए हालिया बाढ़ रिपोर्ट तैयार की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पर्यावरण नीति समूह (ईपीजी) ने आज जम्मू और कश्मीर के लोगों के साहस को 2014 की विनाशकारी बाढ़ की ग्यारहवीं बरसी पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह बाढ़ इस क्षेत्र के हाल के इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक थी। समूह ने उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया और उन लोगों के साहस को सलाम किया जिन्होंने बाढ़ की निरंतर संवेदनशीलता के बावजूद, इस आपदा के बाद अपने जीवन को फिर से संवारा।

ईपीजी ने याद दिलाया कि बाढ़ के तुरंत बाद, उसने माननीय जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष ईपीजी बनाम भारत संघ एवं अन्य शीर्षक से एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। याचिका में केंद्र सरकार और जम्मू–कश्मीर सरकार के 16 विभागों को प्रतिवादी बनाया गया था और रोकथाम, शमन और पुनर्वास से जुड़े कई मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था, और झेलम की जल–वहन क्षमता बढ़ाने और उससे जुड़े जल निकायों के संरक्षण के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय ने कई महत्वपूर्ण आदेश पारित किए और विभिन्न विभागों को बार–बार निर्देश जारी किए, जिनम. ` से कुछ का पालन भी किया गया। हालाँकि, इन न्यायिक निर्णयों के बावजूद, सुधारात्मक उपायों को किसी भी सार्थक तरीके से लागू नहीं किया गया है। सितंबर 2014 में जम्मू और कश्मीर में आई बाढ़ ने अभूतपूर्व तबाही मचाई, गाँवों, पुलों, अस्पतालों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को नष्ट कर दिया, साथ ही भारी मात्रा में गाद और मलबा जमा कर दिया जिससे झेलम नदी का पानी और भी ज़्यादा भर गया। जम्मू में भी बाढ़ ने तबाही मचाई, सड़कों, घरों और खेतों को नुकसान पहुँचाया। फिर भी, एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद, जम्मू और कश्मीर क्षेत्र 2014 की तरह ही असुरक्षित बना हुआ है, और ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कोई व्यापक दीर्घकालिक रणनीति नहीं बनाई गई है।

ईपीजी ने ज़ोर देकर कहा कि वर्तमान भेद्यता केवल प्राकृतिक शक्तियों का परिणाम नहीं है, बल्कि दशकों से मानव–प्रेरित क्षरण का प्रत्यक्ष परिणाम है। अवैध वृक्षों की कटाई, अनियंत्रित भूमि उपयोग और वनों के अतिदोहन, सड़कें बनाने के लिए पहाड़ों को बुलडोज़र से ध्वस्त करने, अनुमत मैनुअल प्रक्रिया के बजाय निषिद्ध भारी मशीनरी का उपयोग करके नदी तल में गहरी खनन प्रक्रिया के माध्यम से जलग्रहण क्षेत्रों के विनाश ने घाटी की वर्षा को अवशोषित करने की प्राकृतिक क्षमता को नष्ट कर दिया है। वन आवरण के नुकसान, साथ ही नदी के किनारों और वन भूमि पर व्यापक अतिक्रमणों ने महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्रों को निर्मित या कृषि क्षेत्रों में बदल दिया है जो पानी को तेज़ी से झेलम में बहा देते हैं। धीरे–धीरे रिसाव और अवशोषण के बजाय, वर्षा जल अब सीधे नदी में बहता है, ऊपरी मिट्टी को बहा ले जाता है और नदी तल में गाद जमाव को तेज़ करता है।

घाटी की प्राकृतिक कटोरे के आकार की स्थलाकृति इस जोखिम को और बढ़ा देती है।

जैसे–जैसे झेलम नदी खड़ी पहाड़ी ढलानों से उतरकर कश्मीर के समतल बेसिन में, खासकर श्रीनगर से वुलर झील तक, उतरती है, उसका वेग धीमा होता जाता है और तलछट जमती जाती है, जिससे नदी की जल वहन क्षमता धीरे–धीरे कम होती जाती है।

वुलर झील, जो ऐतिहासिक रूप से एक विशाल बाढ़ अवशोषण बेसिन थी, गाद और अतिक्रमण के कारण अपनी लगभग एक तिहाई जल संग्रहण क्षमता खो चुकी है।

समान रूप से चिंताजनक बात उन आर्द्रभूमियों का लगातार सिकुड़ना और क्षरण है जो कभी प्राकृतिक स्पंज की तरह काम करती थीं। होकरसर, जिसे लंबे समय से ष्आर्द्रभूमियों की रानीष के रूप में जाना जाता है और जिसे रामसर कन्वेंशन के तहत मान्यता प्राप्त है, पर भारी अतिक्रमण किया गया है और उसे आवासीय और कृषि भूमि में बदल दिया गया है। रामसर–अधिसूचित हैगाम और शल्लाबुघ आर्द्रभूमि; मिरगुंड आर्द्रभूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है; नरकारा नंबल, जो कभी घाटी के जल विज्ञान सुरक्षा जाल का अभिन्न अंग था, अतिक्रमण, सरकारी और निजी उद्यमों द्वारा बेरोकटोक निर्माण, और कचरा डंपिंग के कारण नाटकीय रूप से सिकुड़ गया है। अतिरिक्त पानी को सोखने और बाढ़ को कम करने के बजाय, ये आर्द्रभूमियाँ लगातार अपना कार्य खो रही हैं, जिससे घाटी अपने प्राकृतिक अवरा. `धकों से वंचित रह रही है।

गुढ़ा बख्शी नगरवासियों संग विक्रांत गुप्ता ने चलाया जोगी गेट में सफाई अभियान

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा नेता विक्रांत गुप्ता ने रविवार को जोगी गेट में सफाई अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान में गुढ़ा बख्शी नगर के लोगों ने भी बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। हाल की बाढ़ के बाद इलाके में गंदगी और अव्यवस्था फैल गई थी। ऐसे में यह सामूहिक प्रयास स्वच्छता बहाल करने और लोगों में एकता का संदेश देने के लिए अहम माना जा रहा है।

बाढ़ आने के बाद से ही विक्रांत गुप्ता लगातार प्रभावित परिवारों के बीच सक्रिय हैं। उन्होंने ज़रूरत का सामान वितरित करने के साथ.साथ राहत कार्यों का जायज़ा लिया और हर प्रभावित क्षेत्र में जाकर लोगों की समस्याएँ सुनीं। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने कहाए स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं हैए यह गरिमा और एकजुट होकर आगे बढ़ने का प्रतीक है। हमारे लोग बेहद साहसी हैं और मैं हर कदम पर उनके साथ खड़ा हूं।

स्थानीय लोगों ने उनकी मौजूदगी और सहयोग के लिए आभार जताया। उनका कहना था कि गुप्ता की पहल ने मुश्किल घड़ी में न सिर्फ मदद पहुंचाई बल्कि हौसला भी दिया।

जोगी गेट का यह सफाई अभियान विक्रांत गुप्ता की उस निरंतर कोशिश का हिस्सा हैए जिसमें वे सेवा और सक्रियता के ज़रिए समाज को मज़बूत करने का काम कर रहे हैं।

महबूबा ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, लोगों को मदद का आश्वासन दिया, राहत पैकेज की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : महबूबा ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, लोगों को मदद का आश्वासन दिया, राहत पैकेज की मांग की

जम्मू : पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को जम्मू शहर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उन्हें अधिकारियों के समक्ष उनके पुनर्वास का मुद्दा उठाने का आश्वासन दिया। रिकार्ड तोड़ बारिश के कारण 26 अगस्त को तवी नदी में बाढ़ आ गई, जिससे सैकड़ों घर और कई हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई, तथा जम्मू शहर, विशेषकर गुज्जर नगर और पीरखो में हजारों लोग विस्थापित हो गए।

गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं के साथ शहर के पीरखो, बनतालाब, गुज्जर नगर और सुं. जवान–भटिंडी के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

महबूबा मुफ़्ती ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने लोगों को ऐसे बार–बार आने वाले संकटों से बचाने के लिए तत्काल राहत उपायों और दीर्घकालिक समाधानों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबू. बा मुफ्ती ने गुरुवार को एक व्यापक राहत और पुनर्वास पैकेज की मांग करते हुए कहा कि जम्मू में बाढ़ से हुए विनाश के कारण जीवन के पुनर्निर्माण के लिए करोड़ों रुपये की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जम्मू का पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए और कहा कि भाजपा विधायकों, जिन्हें लोगा. ` से भारी समर्थन मिला है, को केंद्र पर दबाव डालना चाहिए कि वह ष्नए जम्मूष के पुनर्निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय पैकेज की घोषणा करे।

उन्होंने कहा, ष्एक बड़े पैकेज की जरूरत है। केंद्र से 209 करोड़ रुपये की घोषणा की गई, जो नुकसान की भरपाई के लिहाज से कुछ भी नहीं है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

एलजी कविंदर ने अधिकारियों से पारदर्शिता और समयबद्ध सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

लेह : लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने आज खारू में उप–मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के नवनिर्मित कार्यालय भवन, आवास और पटवारखाने का उद्घाटन किया। 20.58 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अत्याधुनिक परिसर से उप–मंडल में राजस्व प्रशासन को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करने और अधिकारियों व जनता दोनों के लिए बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि उन्नत बुनियादी ढाँचा राजस्व सेवाओं को और अधिक सुलभ, कुशल और नागरिक–अनुकूल बनाएगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जन शिकायतों का शीघ्र निवारण सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए और राजस्व अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सेवाएँ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्रदान की जाएँ। उन्होंने कहा कि ऐसे उपायों से जनता का विश्वास मज़बूत होगा और शासन जमीनी स्तर पर लोगों के और करीब आएगा।

उपराज्यपाल ने उत्तरदायी शासन के महत्व पर भी ज़ोर दिया और अधिकारियों से नागरिक. ों की ज़रूरतों के प्रति संवेदनशील रहने और हर सेवा वितरण में जवाबदेही सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आधुनिक सुविधाओं से क्षेत्रीय अधिकारियों के बीच समन्वय बेहतर होगा और क्षेत्र में सार्वजनिक सेवाओं की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

बाद में, उपराज्यपाल ने थिकसे स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में स्थापित भू–तापीय ताप पंप–आधारित अंतरिक्ष तापन प्रणाली का निरीक्षण किया।

इस प्रणाली को ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (ईईएसएल) और अल्फेन अल्फा समूह द्वारा संयुक्त रूप से पायलट आधार पर लद्दाख की भीषण सर्दियों के दौरान तापन आवश्यकताओं की चुनौतियों से निपटने के लिए विकसित किया गया है।

परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि यदि पायलट परियोजना सफल होती है, तो पर्यावरण–अनुक. ूल तापन मॉडल को लद्दाख के स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों और सरकारी संस्थानों में लागू किया जा सकता है।

न्यायपालिका जनता और संविधान के बीच सेतु का काम करती है : मुख्य न्यायाधीश

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका लोगों की आकांक्षाओं और संविधान में निहित आदर्शों के बीच एक सेतु का काम करती है।

काठमांडू में नेपाल–भारत न्यायिक वार्ता 2025 में बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने न्यायपालिका के कार्य को रेखांकित करते हुए कहा कि यह न केवल विवादों को हल करने का कार्य है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि व्यवहार में न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के सिद्धांतों को बरकरार रखा जाए।

उन्होंने कहा, ष्दोनों देशों में न्यायपालिका लोगों की आकांक्षाओं और संविधान में निहित आदर्शों के बीच एक सेतु का काम करती है। इसका काम न केवल विवादों को सुलझाना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के सिद्धांत व्यवहार में कायम रहें। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि समकालीन चुनौतियों के आलोक में कानून की व्याख्या करके, न्यायालय शासन के विकास का मार्गदर्शन कर सकते हैं, जनता का विश्वास प्रेरित कर सकते हैं, तथा इस विचार को सुदृढ़ कर सकते हैं कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं द्वारा ही नहीं, बल्कि उन मूल्यों द्वारा भी कायम रहता है, जिन्हें वे अपनाते हैं और जिनका उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका एक ष्संरक्षक और उत्प्रेरकष दोनों की भूमिका में है, जो समाज की आधारभूत संरचनाओं की रक्षा करती है तथा राष्ट्र के नैतिक और नैतिक ताने–बाने को मजबूत करने वाले सुधारों को प्रोत्साहित करती है।

उन्होंने कहा, ष्न्यायपालिका की यह उभरती भूमिका उसके पारंपरिक कार्य के महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतिनिधित्व करती है, जिसे मोटे तौर पर काले अक्षरों वाले कानून के अनुप्रयोग के रूप में समझा जाता था, अर्थात, वैधानिक प्रावधानों और स्थापित कानूनी सिद्धांतों की सख्त व्याख्या और प्रवर्तन। न्यायाधीश ने आगे कहा, ष्हालाँकि, आज न्यायपालिका से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह केवल पाठ्य–सामग्री के प्रयोग से आगे बढ़कर कानून के गहन उद्देश्यों और परिणामों को समझे। दशकों से, यह सक्रिय भूमिका न्यायपालिका की पहचान का केंद्र बन गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और न्याय को मजबूत करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिबद्धता केवल न्यायिक घोषणाओं तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, प्रशासनिक और संस्थागत मोर्चों पर इसके प्रयास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, जहां न्यायालय प्रबंधन, केस–फ्लो प्रक्रिया, डिजिटल बुनियादी ढांचे और न्याय तक पहुंच की पहल में नवाचार एक ऐसी न्यायपालिका के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं जो उत्तरदायी, कुशल और समावेशी है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक और संस्थागत मोर्चों पर सर्वोच्च न्यायालय के प्रयास, न्यायालय प्रबंधन, केस–फ्लो प्रक्रियाओं, डिजिटल बुनियादी ढांचे और न्याय तक पहुंच की पहल में नवाचारों के साथ, एक ष्उत्तरदायी, कुशल और समावेशीष न्यायपालिका के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

तमिलनाडु के सहायक प्रोफेसर का पार्थिव शरीर सोमवार को श्रीनगर से चेन्नई लाया जाएगा : जेकेएसए

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में कार्यरत तमिलनाडु के चेन्नई निवासी सहायक प्रोफेसर डॉ. सगादेवन आर. का पार्थिव शरीर सोमवार को उनके गृह राज्य भेजा जाएगा। उनका प्राकृतिक कारणों से निधन हो गया था। रविवार को जारी एक बयान में, जम्मू–कश्मीर छात्र संघ के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुहामी ने कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम से बात की है और पार्थिव शरीर के सम्मानजनक परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए उनसे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उन्होंने सांसद मणिकम टैगोर, कार्ति चिदंबरम, भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष खुशबू सुंदर और राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव गगनदीप सिंह बेदी के समक्ष भी इस मुद्दे को उठाने की पुष्टि की।

ष्सभी ने पूर्ण समर्थन और सहायता का आश्वासन दिया है। तमिलनाडु के राज्यपाल और मुख्य सचिव ने बताया है कि पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द श्रीनगर से चेन्नई वापस लाने और हवाई मार्ग से पहुँचाने के प्रयास पहले से ही जारी हैं,ष खुएहामी ने कहा। राज्यपाल कार्यालय ने बाद में बताया कि चेन्नई हवाई अड्डे से एम्बुलेंस सेवाओं सहित परिवहन व्यवस्था राजभवन द्वारा प्रदान की जाएगी।

राज्य के अधिकारी डॉ. सगादेवन के शोक संतप्त परिवार और उनके निकट सहयोगियों के संपर्क में हैं ताकि सभी आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके।

खुएहामी ने बताया कि श्रीनगर में सभी कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं।

उन्होंने कहा, ष्सोमवार को सुबह 11रू45 बजे इंडिगो की उड़ान से पार्थिव शरीर चेन्नई लाया जाएगा और उनके पैतृक घर पहुँचाया जाएगा। अंतिम संस्कार पारिवारिक परंपराओ. ं और इच्छा के अनुसार किया जाएगा।ष

एसोसिएशन ने डॉ. सगादेवन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक समर्पित शिक्षाविद बताया, जिनका छात्रों के प्रति समर्पण और एनआईटी श्रीनगर के शैक्षणिक समुदाय में उनके योगदान के लिए गहरा सम्मान है। बयान में कहा गया है, ष्उनका असामयिक निधन न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि उनके सहयोगियों, छात्रों और संस्थान के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है।

जम्मू और कश्मीर ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

हीरानगर पुलिस ने चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपी को दबोचा

सनी शर्मा

कठुआ। हीरानगर थाना पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल को मात्र कुछ ही घंटों में बरामद कर उसके मालिक को सौंप दिया।

इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अन्य अज्ञात मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार सुमित कुमार पुत्र राज कुमार निवासी वार्ड नंबर 11 हीरानगर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। इस पर थाना हीरानगर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के नेतृत्व में, एएसआई लतीफ़ अहमद की सहायता से और एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच, एसपी ऑप्स कठुआ मुकुंद तिब्रेवाल तथा एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में पुलिस टीम ने आरोपी मो. असलम पुत्र मशहूर अली निवासी राखना सरकार, हिरणगर को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

कठुआ में मेगा राहत शिविर, 110 परिवारों को मिला राशन व दैनिक उपयोग की सामग्री

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। रघुनाथ मंदिर के पास चेनाब टेक्सटाइल मिल्स कठुआ के सहयोग से एक मेगा राहत सामग्री वितरण शिविर आयोजित किया गया।

इस दौरान खोखयाल, चक द्रब खान, शेरपुर तथा वार्ड नंबर 7 और 8 के जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री प्रदान की गई।

यह वितरण बुधवार को कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण की देखरेख में किया गया। शिविर में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरिंदर शर्मा, सीटीएम के कार्यकारी अध्यक्ष पट्टनायक, उपाध्यक्ष मनोज झा, रवि अंडोत्रा, अशोक शर्मा, राजिंदर गुप्ता, विनोद कुमार सिंघा, अनिरुद्ध शर्मा, रमेश शर्मा, हरबंस लाल, कैप्टन पवन, मोहन मेहरा, संजय, बित्तू प्रधान, गुरचरण सिंह बिल्ला, मनु कश्यप, शुभ कर्णी, सोनू और अरुण माजोत्रा मौजूद रहे।

इस मौके पर विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि बाढ़ प्रभावितों तक मदद पहुंच सके और उन्हें हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने आगे कहा कि हमने उन सभी क्षेत्रों का दौरा किया है जहां बाढ़ से नुकसान हुआ है और आने वाले समय में भी इस तरह की राहत सामग्री लोगों तक पहुंचाने का कार्य जारी रखा जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान कुल 110 परिवारों को राशन और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं वितरित की गईं।

जीएमसी कठुआ को मिली एमआरआई मशीन, एनसी नेता धर्मपाल कुंडल ने जताया आभार

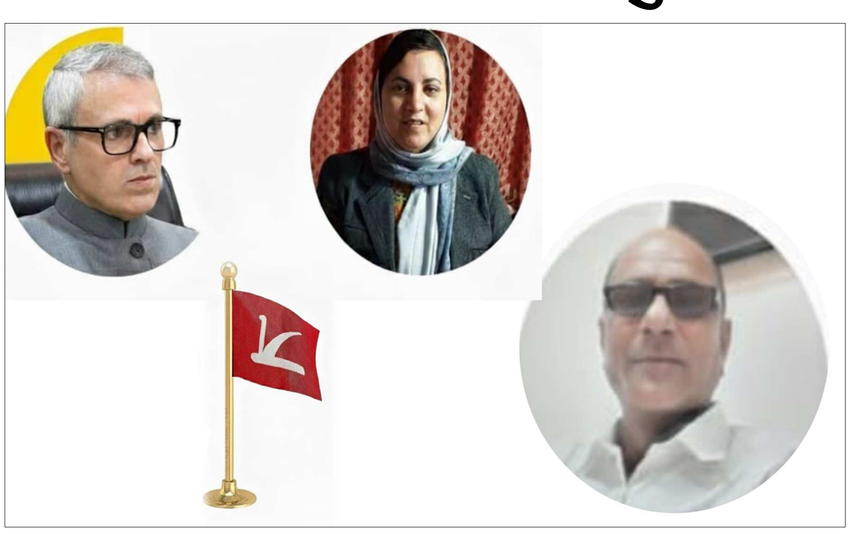

सनी शर्मा

हिरानगर : सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) कठुआ को एमआरआई मशीन मिलने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता एवं ज़ोनल सचिव, जम्मू ज़ोन इंचार्ज हिरानगर विधानसभा, धर्मपाल कुंडल ने इसे स्वास्थ्य ढांचे को मज़बूती की ओर ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों से जीएमसी कठुआ की उपेक्षा हो रही थी। अब यह पहल गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के लिए राहत लेकर आएगी।

कुंडल ने बताया कि इस निर्णय से हिरानगर, कठुआ, बिलावर, बसोहली, बानी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

गौरतलब है कि हाल ही में जीएमसी कठुआ दौरे के दौरान स्वास्थ्य मंत्री सकीना इत्तू को स्थानीय नेतृत्व द्वारा इस मांग से अवगत कराया गया था। अब यह मांग पूरी होने से सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की प्रतिबद्धता भी साफ झलकती है।

केंद्र ने एकीकृत पेंशन योजना नियमों को अधिसूचित किया

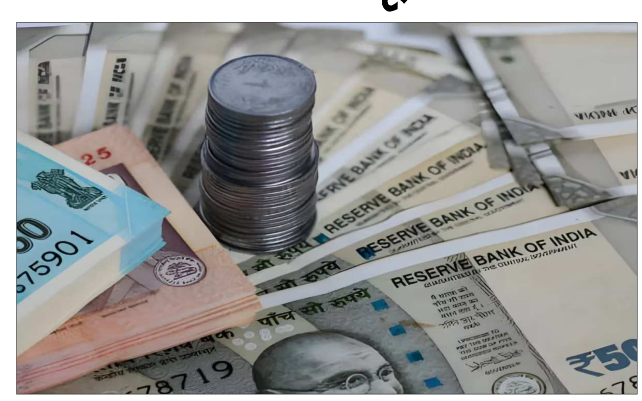

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्र ने अपने कर्मचारियों के संबंध में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत लाभ से संबंधित सेवा मामलों को विनियमित करने के लिए नियमों को अधिसूचित किया है, गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है।

केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का कार्यान्वयन) नियम, 2025 में अन्य बातों के अलावा, "एकीकृत पेंशन योजना के तहत नामांकन और सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष पहले या वीआरएस से तीन महीने पहले यूपीएस से एनपीएस में स्विच करने की सुविधा" शामिल होगी।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि ये नियम एनपीएस के तहत यूपीएस को एक विकल्प के रूप में चुनने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के संबंध में एकीकृत पेंशन योजना के तहत लाभ से संबंधित सेवा मामलों को विनियमित करने के लिए हैं। नियमों में कर्मचारी और सरकार द्वारा अंशदान, पंजीकरण में देरी और एनपीएस खाते में अंशदान जमा होने की स्थिति में सरकारी कर्मचारी को दिए जाने वाले मुआवजे और सेवा के दौरान सरकारी कर्मचारी की मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में सीसीएस (पेंशन) नियमों या यूपीएस विनियमों के तहत लाभ के विकल्प को भी शामिल किया गया है।

सेवानिवृत्ति पर देय लाभ, समय से पूर्व सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, स्वायत्त निकाय या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में आमेलन, अमान्यता पर सेवानिवृत्ति और सेवा से त्यागपत्र तथा अन्य के अलावा 'अनिवार्य सेवानिवृत्ति/ बर्खास्तगी/सेवा से निष्कासन का प्रभाव' भी नए अधिसूचित नियमों के अंतर्गत शामिल हैं।

अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने अधिसूचना का स्वागत करते हुए कहा कि 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का प्रावधान निःसंदेह कर्मचारी कल्याण में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा, "नई योजना के लागू होने के बाद से यूपीएस में यह एक बहुत जरूरी संशोधन था।"

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले वर्ष 24 अगस्त को यूपीएस शुरू करने को मंजूरी दी थी।

भाजपा सांसद खटाना ने बाढ़ कुप्रबंधन को लेकर उमर सरकार की आलोचना की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने शुक्रवार को कहा कि प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों की रक्षा करने में बुरी तरह विफल रहा है और उन्होंने मुख्यमंत्री पर आपदा के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया।

खटाना ने लोअर दावड़ा, लाऊ रागुडे, गूजर नगर, जोगी गेट, मकवाल कैंप, हाजी नाका और गौ शाला स्वजन सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों का व्यापक दौरा किया, जहाँ उन्होंने विस्थापित परिवारों से मुलाकात की, क्षतिग्रस्त घरों का निरीक्षण किया और ज़मीनी हकीकत का जायज़ा लिया। खटाना ने ज़ोर देकर कहा, "यहाँ हुई तबाही सिर्फ़ एक प्राकृतिक आपदा ही नहीं, बल्कि एक राजनीतिक विफलता भी है।" उन्होंने आगे कहा, "मुख्यमंत्री ने इसे प्राकृतिक आपदा तक घोषित नहीं किया है। स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करने से इनकार करके, उमर अब्दुल्ला ने अपने ही लोगों को बेसहारा छोड़ दिया है और उन्हें बिना किसी राहत के तड़पने के लिए छोड़ दिया है।

स्थानीय लोगों ने अपनी आपबीती सुनाई और बताया कि उन्होंने अपने घर, फसलें और पशुधन खो दिए हैं, फिर भी उन्हें सरकार से बहुत कम या बिल्कुल भी मदद नहीं मिल रही है। कई लोगों ने बचाव कार्यों में देरी, अपर्याप्त राहत सामग्री और विभागों के बीच खराब समन्वय की शिकायत की। खटाना ने कहा कि सरकार की उदासीनता ने संकट को और बढ़ा दिया है।

उन्होंने कहा कि स्पष्ट विनाश के बावजूद, बड़े पैमाने पर राहत सामग्री जुटाने या आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, यह घोर लापरवाही है, क्रूरता की सीमा पर। लोगों को तत्काल राहत और पुनर्वास की आवश्यकता है, न कि राजनीतिक बहानेबाजी की। सांसद के साथ पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सामुदायिक नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था, जिनमें पूर्व अध्यक्ष रजाक अली पुत्तो, भाजपा ब्लॉक अध्यक्ष अमर जीत कौर, चौधरी अब्दुल महमूद, अशरफ चौधरी, आइएसएफ गिल, पोरन सिंह चिब, हाजी सलाम दीन, फकीर अली, कुलबीर सिंह, पूर्व सरपंच बलबीर सिंह, नागर सिंह, धनतेर सिंह, आलम दीन, बिलाल, मुश्ताक अहमद, नूर हुसैन और मोहम्मद रफीक शामिल थे।

खटाना के साथ प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी थे, जिनमें आरडीडी, एसीडी, एसीपी, बीडीओ, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, पुलिस और सेना के प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने चल रहे उपायों की स्थिति की जानकारी दी।

पुलिस, सेना और स्थानीय एजेंसियों के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए, खटाना ने कहा कि शीर्ष स्तर पर निर्णायक नेतृत्व के अभाव ने लोगों की पीड़ा को और बढ़ा दिया है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ के डिप्टी कमिश्नर ने बानी सब-डिवीजन का दौरा कर बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

प्रभावित परिवारों को बांटी राहत सामग्री, विभागों को बहाली कार्य तेज करने के निर्देश

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, कठुआ के उपायुक्त (डीसी) राजेश शर्मा ने आज बानी सब–डिवीजन का दौरा कर हाल ही में हुई लगातार बारिश और बाढ़ के बाद की स्थिति का जायजा लिया।

अपने पहले दौरे के दौरान डीसी ने एसडीएम ऑफिस कॉम्प्लेक्स बानी में जिला और सब–डिवीजनल अधिकारियों की बैठक ली और सब–डिवीजन की विकास संबंधी स्थिति के साथ–साथ राहत एवं बहाली कार्यों की समीक्षा की।

बहाली कार्यों की समीक्षा करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को जीवन एवं संपत्ति को हुए नुकसान का सही आकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि एसडीआरएफ मानकों के तहत प्रभावित परिवारों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया ताकि सार्वजनिक ढांचे की बहाली का काम तेज़ी से हो सके।

इस दौरान डीसी ने कई जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिन्होंने सड़कों, कृषि भूमि और अन्य बुनियादी सेवाओं को हुए नुकसान से जुड़ी समस्याएं सामने रखीं। डीसी ने उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया और अधिकारियों को सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

राहत उपायों के तहत डीसी ने प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत सामग्री जैसे सूखा राशन, तेल, बर्तन, टेंट, गद्दे और अन्य जरूरी सामान वितरित किए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत हर संभव मदद दी जाएगी।

डीसी ने इस मौके पर लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम) और असिस्टेंट लेबर कमिश्नर (एएलसी) के साथ बैठक कर मिशन युवा योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने युवाओं को इस कार्यक्रम के तहत अधिकतम लाभान्वित करने और रोजगार एवं कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

बाद में डीसी ने कई प्रभावित स्थलों का दौरा किया। ड्राबल पुल, जो बाढ़ में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था, पर उन्होंने तुरंत क्रेट वर्क करने और स्थायी बहाली का विस्तृत अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। गट्टी पंचायत में जहां डैम के पानी के उफान से सड़क बह गई थी, वहां उन्होंने एक्सईएन पीएमजीएसवाई को जल्द से जल्द लिंक बहाल करने के आदेश दिए ताकि लोगों की आवाजाही सुचारू हो सके।

डीसी ने क्षतिग्रस्त पीएचई पाइपलाइनों का भी निरीक्षण किया जहां बहाली का कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने एक्सईएन पीएचई को प्रभावित बस्तियों में स्थायी बहाली होने तक पीने के पानी की वैकल्पिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीसी ने बर्मोटा और अन्य प्रभावित इलाकों का भी दौरा कर संबंधित विभागों को सड़कों और अन्य ढांचागत कार्यों की बहाली जल्द पूरी करने के निर्देश दिए ताकि दूरदराज के निवासियों को राहत मिल सके।

इस अवसर पर बानी विधायक डॉ. रमेश्वर सिंह, डीडीसी सदस्य बानी रीता ठाकुर, एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा, एसडीएम बानी संदीप कुमार, एसई पीडब्ल्यूडी, सीईओ, एक्सईएन (पीडब्ल्यूडी, पीडीडी और पीएचई), एएलसी, तहसीलदार, बीडीओ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री, मंत्री सतीश ने राह, सैलोट और परगवाल क्षेत्र में बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा और प्रांतीय अध्यक्ष (जम्मू) रतन लाल गुप्ता के साथ, जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन करने और प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए राह, सैलोट और परगवाल, बड़खल नरसिंह पुरा क्षेत्रों के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया।

इससे पहले सुरिंदर चौधरी ने सुंदरबनी में कांगड़ी पंचायत का दौरा किया, उपमुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की, जिन्होंने हाल ही में एक दुखद दीवार गिरने में अपनी मां और बेटी को खो दिया था और मुख्यमंत्री राहत कोष से राहत चेक वितरित किए। हार्दिक संवे. दना व्यक्त करते हुए, चौधरी ने परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनके पुनर्वास के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उपमुख्यमंत्री ने राह सैलोटे परगवाल, बड़खल, मालाबाला और नरसिंहपुरा तथा परग. वाल के अन्य निकटवर्ती गाँवों का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने भारी बारिश और भूस्खलन से हुए व्यापक नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने चल रहे राहत एवं पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की और अधिकारियों को सहायता वितरण और बुनियादी ढाँचे की बहाली में तेजी लाने के निर्देश दिए। दीर्घकालिक समाधानों की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, उप–मुख्यमंत्री चौधरी ने प्रभावित परिवारों को स्थिर भूमि पर 5 मरला के भूखंड आवंटित करने की घोषणा की, जो भूविज्ञान एवं खनन विभाग द्वारा व्यवहार्यता परीक्षण के अधीन होंगे। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और भविष्य में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक बाढ़ से होने वाली आपदाओं को रोकने के लिए पूरे क्षेत्र का व्यापक भूवैज्ञानिक ऑडिट कराने के महत्व पर ज़ोर दिया। कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा और नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता के साथ, उन्होंने राह सलियोटे में राहत शिविरों का भी दौरा किया और विस्थापित परिवारों से बातचीत की। नेताओं ने जल निक. ासी, सड़क सुरक्षा और तटबंधों से संबंधित शिकायतें सुनीं और जनता को आश्वस्त किया कि उनकी चिंताओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने जनता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, ष्यह हमारे लोगों के लिए एक कठिन समय है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि कोई भी परिवार बेसहारा नहीं रहेगा। सरकार राहत प्रदान करने, आवश्यक सेवाएँ बहाल करने और प्रभावित परिवारों को उनके जीवन के पुनर्निर्माण में सहायता करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण विकास विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलियों और आंतरिक संपर्क सड़कों की तत्काल मरम्मत शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि सुचारू संपर्क सुनिश्चित हो सके और तेजी से राहत वितरण हो सके। प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे अपने प्रयासों में दृढ़ रहें और प्रभावित आबादी और स्थानीय प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करना जारी रखें। अंत में सुरिंदर चौधरी, साईश शर्मा और रतन लाल गुप्ता श्री कृष्ण लाल पंचायत चौरा ब्लॉक चौकी चौरा के घर गए, जहां श्री मचौल माता यात्रा बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई थी और मृतक परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और उमर अब्दुल्ला माननीय मुख्यमंत्री जम्मू–कश्मीर की ओर से उन्हें सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

हिंदी दिवस

सच यही है इस समूचे देश की भाषा है हिंदी
देश की रग–रग में गूंजे गीत इक प्यारा है हिंदी
हिंदी भाषा को विदेशों में भी मिलता मान–यश है
देश भारत में सभी की आंख का तारा है हिंदी
रोज़गार और नौकरी का हिंदी भाषा भी है साधन
लाखों की आजीविका ये खुश बहुत दाता है हिंदी
हिंदी ग़ज़लें विश्व में साहित्य पर छाई हुई हैं
पुस्तकों में हिंदी ग़ज़लों का बहुत चर्चा है हिंदी
कर रही है बात अब हिंदी में ही ये दुनिया सारी
उच्च स्तर दुनिया ने सब के सामने माना है हिंदी
शब्द हिंदी के सरल हैं और मीठे हैं शहदद्द से
ज़ायका हिंदी जुबां का चीनी–गुड़ जैसा है हिंदी
आज हिंदी के शुभ अवसर पर बधाईयां दीजिये
कर रही हिंदी दिवस पर फूलों की बर्षा है हिंदी

अनिल पठानकोटी

गज़ल

रोशन रोशन प्यार मिले हरियाणा में।
सूरज के इक़रार मिले हरियाणा में।
मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे मस्जिद मठ–द्वारे,
जन्नत के दीदार मिले हरियाणा में।
निर्धन की झुग्गी से ऊँचे महलों तक,
घर–घर में सरकार मिले हरियाणा में।
दुश्मन का व्यवहार भी सज्जन जैसा है,
दीपक जैसा प्यार मिले हरियाणा में।
हर इक चेहरे ऊपर लाली दिखती है,
उन्नति के भण्डार मिले हरियाणा में।
नित्य–नित्य रास्ता में है खुशबू खिलती की,
राम–भरत किरदार मिले हरियाणा में।
लड़के कम नहीं हैं अपने यौवन में,
लड़की के शुद्ध आचार मिले हरियाणा में।
अपने सभ्याचार में उत्तम सर्वोत्तम,
सुन्दरता साकार मिले हरियाणा में।
फूलों वाली डाली जैसे झुक जाती,
सम्यक ऐसे व्यवहार मिले हरियाणा में।
तब ही हर इक दाम्पत्य सुख का साथी है,
सच्चाई का संसार मिले हरियाणा में।
आशाओं की पूर्ति में फूल खिले हैं,
तनमन के कंचन मिले हरियाणा में।
भारत में जीना अगर है शान बख्शे दिन–रात,
ख़ेलों के सरदार मिले हरियाणा में।
कृषि, उद्योग, शिक्षा, विविध क्षेत्र में,
उन्नति के संस्कार मिले हरियाणा में।
ऋषियों, मुनियों, संतों, गुरुओं, पिरों के,
शुभमंगल दरबार मिले हरियाणा में।
तब ही बालम फसलें में खुशहाली है,
नद–नदियों के प्यार मिले हरियाणा में।

बलविंदर बालम
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
गुरदासपुर, मो – 9815625409

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

एकेडमी ने राज ऋषि शर्मा की हैप्पीएस्ट हिंदी पुस्तक का किया गया विमोचन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, मंगलवार को जम्मू–कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी ने के.एल. सहगल हॉल, जम्मू में एक पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया, जिसमें राज ऋषि शर्मा द्वारा लिखित हिंदी निबंधों के संग्रह ष्हैप्पीएस्टष् का औपचारिक रूप से लोकार्पण किया गया।

इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अजय सडौत्रा घ्मुख्य अतिथि के रूप में, पद्म श्री जितेंद्र उधमपुरी विशेष अतिथि के रूप में और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शलिंदर सिंह सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंच पर एकेडमी के मुख्य संपादक और मंडल प्रमुख (जम्मू) डॉ. जावेद राही, हिंदी संपादक डॉ. चंचल शर्मा और पूर्व प्रिंसिपल डॉ. कल्पना रतन भी मौजूद थीं।

अपने स्वागत भाषण में, डॉ. जावेद राही ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी लेखकों को बौद्धिक समुदाय के बीच नई पुस्तकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए, अजय सडौत्रा घ्ने कहा कि ष्हैप्पीएस्टष् पुस्तक ष्जीने की कलाष् सिखाती है और पाठकों को वर्तमान युग में खुशी कैसे प्राप्त करें, इस पर मार्गदर्शन करती है। उन्होंने इसे समाज के लिए राज ऋषि शर्मा का एक महान योगदान बताया और पुस्तक से कई पैराग्राफ उद्धृत किए जो जीवन के अनुभवों को दर्शाते हैं। पद्म श्री जितेंद्र उधमपुरी ने अपनी टिप्पणी में कहा कि समाज को बेहतर जीवन शैली की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ऐसी पुस्तकों की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने पुस्तक के मूल संदेश पर भी प्रकाश डाला।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शलिंदर सिंह ने कहा कि यह पुस्तक जम्मू–कश्मीर के विशेष संदर्भ में हिंदी निबंध लेखन में एक मूल्यवान योगदान है। उन्होंने लेखक को उनके योगदान के लिए बधाई दी।

डॉ. कल्पना रतन ने राज ऋषि शर्मा की लगातार साहित्यिक रचनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने हिंदी साहित्य को बहुत समृद्ध किया है।

कैप्टन ललित शर्मा ने पुस्तक पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने बताया कि ष्हैप्पीएस्टष् लेखक की 36वीं प्रकाशित कृति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पाठकों को इसकी सामग्री सार्थक और उनके जीवन से संबंधित लगेगी।

लेखक, राज ऋषि शर्मा ने भी इस अवसर पर बात की और पुस्तक लिखने के पीछे की पृष्ठभूमि और प्रेरणा के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. चंचल शर्मा ने किया, जिन्होंने एकेडमी की सचिव सुश्री हरविंदर कौर की ओर से धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

हिरानगर पुलिस ने लोंडी नाका पर गोवंश से भरा ट्रक पकड़ा, चालक गिरफ्तार

सनी शर्मा

हिरानगर, हिरानगर पुलिस ने गुरुवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए लोंडी नाका पॉइंट पर एक ट्रक (नंबर HR69C–8587) को पकड़ा जिसमें 11 गोवंश भरे हुए थे। पुलिस ने मौके पर ही चालक को गिरफ्तार कर लिया जिसकी पहचान मुस्तक़िन पुत्र अब्दुल वहीद निवासी मनक मौ, शहनाज़ कॉलोनी, सहारनपुर (उ.प्र.) के रूप में हुई है।

पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बाढ़ प्रभावितों की मद के लिए आगे आया गिरधारी लाल डोगरा मेमोरियल ट्रस्ट

सनी शर्मा

हीरानगर। बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए गिरधारी लाल डोगरा मेमोरियल ट्रस्ट ने भी अपने हाथ आगे बढ़ाए हैं। जम्मू–कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय गिरधारी लाल डोगरा की बेटी निधि डोगरा ने हीरानगर में एसडीएम फलैल सिंह के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की।

निधि डोगरा ने प्रभावित परिवारों के दुख–दर्द में साझेदारी निभाते हुए भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल घड़ी में ट्रस्ट उनके साथ खड़ा रहेगा। इससे पहले उन्होंने वाहन में लाई गई राहत सामग्री को एसडीएम हीरानगर को सौंपा, जिसे बाद में प्रभावितों में वितरित किया गया। इस मौके पर मुनीष डोगरा भी उनके साथ मौजूद रहे।

वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग से पत्रकारों के लिए आयोजित किया स्वास्थ्य जांच शिविर

"पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, वे समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उनका स्वस्थ रहना न केवल पत्रकारिता बल्कि समाज और राष्ट्र के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।– टीम सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली। वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया (श्रप) ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (क्ैळडब) के सौजन्य से गुरुद्वारा बंगला साहिब में एक विशाल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में पत्रकारों और उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया और विभिन्न स्वास्थ्य जांच करवाई। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में जनरल फिज़िशियन, हृदय रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ सहित कई विभागों के अनुभवी डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

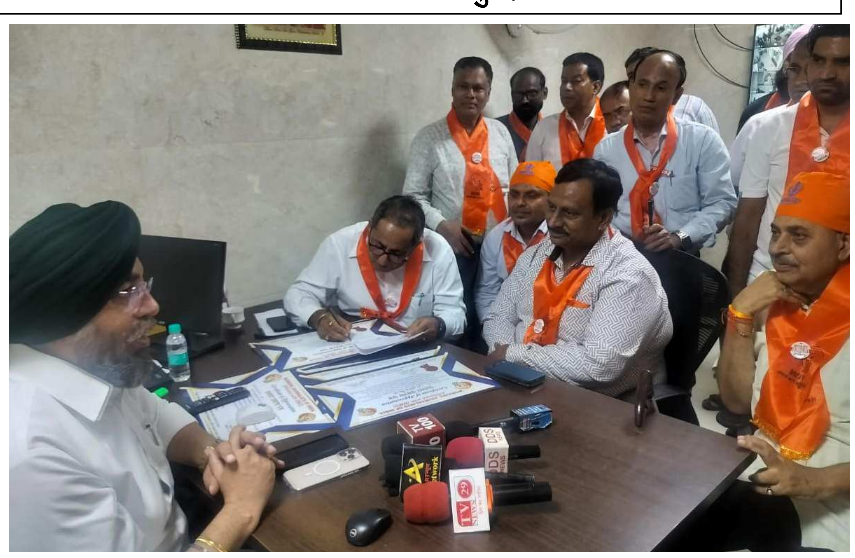

साथ ही ब्लड टेस्ट, एक्स–रे, सीटी स्कैन जैसी विभिन्न स्वास्थ्य जांच निःशुल्क की गईं, जिससे पत्रकार समुदाय को समय पर अपने स्वास्थ्य का आकलन करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संदीप शर्मा, महासचिव देवेन्द्र तौमर,दिल्ली प्रभारी नरेंद्र धवन, देवेंद्र पवार कार्यक्रम संयोजक,

राष्ट्रीय सलाहकार सुरेन्द्र वर्मा, अशोक धवन, धर्मेन्द्र भदौरिया, ईश मलिक, स्वतंत्र भुल्लर, प्रित पाल सिंह, श्रवण शुक्ला, लवली शर्मा, सुनील परिहार, सुधीर सलूजा, सुंदरमजी, लक्ष्मण इंदौरिया, रीटा मिश्रा, मुकेश कुमार, राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ दिल्ली छब् अध्यक्ष वीरेंद्र सैनी, मुकेश मधुर, राष्ट्रीय सचिव अमलेश राजू सहित कई पदाधिकारी और वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।

गुरू हरकिशन पॉलिक्लिनिक, गुरुद्वारा बंगला साहिब के चेयरमैन भूपिंदर सिंह भुल्लर ने इस अवसर पर कहा,"पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। वे समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका स्वस्थ रहना न केवल पत्रकारिता बल्कि समाज और राष्ट्र के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। पत्रकारों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सदैव तत्पर रहेगा।"

वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे पत्रकारों और उनके परिवारों का स्वास्थ्य बेहतर रहे और वे बिना किसी चिंता के अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि खबरों की आपाधापी के चलते पत्रकार अपने परिवार वालों के लिए ही समय नही वहीं निकाल पाते । भूपिंदर सिंह भुल्लर ने आगे कहा कि दिल्ली क्ैळडब के प्रधान हरमीत सिंह कालका,महासचिव जगदीप सिंह काहलों और पूरी प्रबंधक कमेटी सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मजबूती के लिए साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली क्ैळडब के प्रधान हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने इस हेल्थ कैम्प में शामिल होना था लेकिन वे पंजाब की बाढ़ पीड़ितों की राहत कार्यों के लिए पंजाब दौरे पर हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

साहित्य कलश पटियाला द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह और राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित

राम सिंह

पटियाला/पंजाब। साहित्य कलश पब्लिकेशन के तत्वावधान में ग्रीन वैली हाई स्कूल पटियाला में शिक्षक सम्मान समारोह एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में दिनेश सूद, डॉ. रवि भूषण, पवन गोयल, त्रिलोक सिंह दिलोंदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पावन चरणों में नमन के साथ हुई। साहित्य कलश के संस्थापक डॉ. सागर सूद सूज और मंच संचालक मन्नू वैश्य ने समारोह का संचालन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न स्कूलों के बारह अध्यापकों का सम्मान रहा। शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न, पर्सनल डायरी, प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में आशा सूद, बबीता रानी, ममता ठाकुर, संजीव सूद, ललिता, गीता गिल, कमलेश जैन, आशा रानी, परवीन रानी, दीपा सैनी, सुनिता सहगल और रेबा सूद शामिल रहे।

इस मौके पर उपस्थित शिक्षकों ने साहित्य कलश परिवार का आभार जताते हुए आज के समय में शिक्षकों और विद्यार्थियों की जिम्मेदारियों पर विचार रखे। शशि सूद ने हर वर्ष शिक्षकों को सम्मानित करने का संकल्प व्यक्त किया। कवि सम्मेलन के दौरान त्रिलोक सिंह दिलोंदी ने पंजाबी गीत प्रस्तुत किया। दिनेश सूद ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। पवन गोयल और डॉ. रवि भूषण ने भी शिक्षकों की भूमिका को अनुकरणीय बताया।

कार्यक्रम में बरिंदर कौर, गुरप्रीत सिंह बिल्लों, सतीश बिवानी, अमृतपाल सिंह कोहली, हरप्रीत मान, हरदीप राणा, कृष्णा धीरमान, बृजेंद्र ठाकुर, अमृत मान, कृपाल सिंह मुनयाल समेत अनेक साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से सबका दिल जीता।

अंत में साहित्य कलश परिवार के सदस्यों ने परंपरा के अनुसार जन्मदिन का केक काटकर उत्सव मनाया।

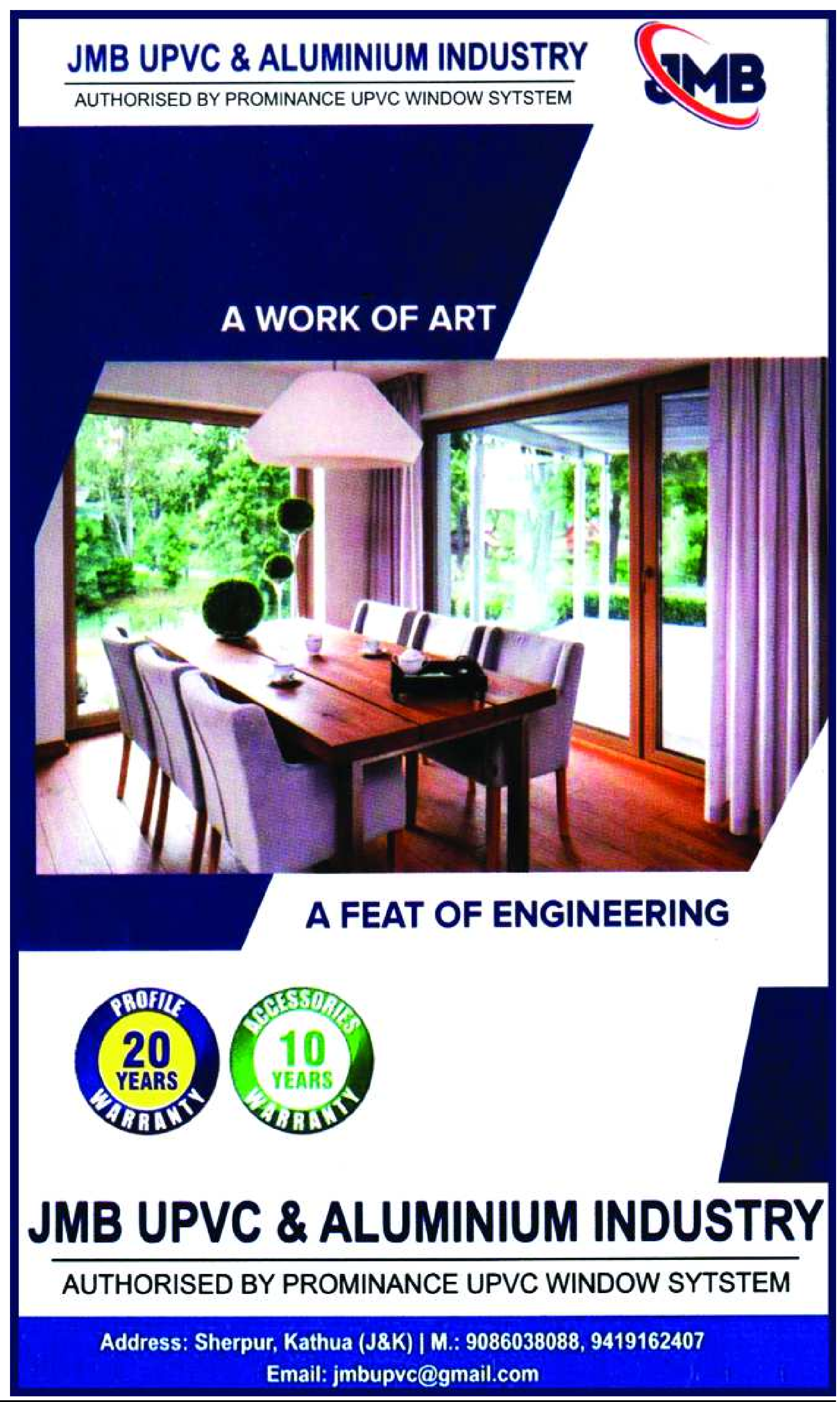

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक: राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादक: राज कुमार